



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 37] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 16, 1978 (भाद्रपद 25, 1900)  
No. 37] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 16, 1978 (BHADRA 25, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a Separate Compilation.

### विषय-सूची

	पृष्ठ		पृष्ठ
भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	735	जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)	2109
भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	1223	भाग II—खण्ड 3—उप खण्ड (ii)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं	241
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	11	भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश	215
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	879	भाग III—खण्ड 1—महालेखापरीक्षक, संघ लोक-सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च मंत्रालयों और भारत सरकार के अधीन तथा संलग्न कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	5247
भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	—	भाग III—खण्ड 2—एकसूत्र कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिस	667
भाग II—खण्ड 2—विधेयक और विधेयकों संबंधी प्रकर समितियों की रिपोर्टें	—	भाग III—खण्ड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं	143
भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और		भाग III—खण्ड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विधिक अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	1499
		भाग IV—गैर सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस	155

## CONTENTS

	PAGE		PAGE
PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court .. .. .	735	(other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities other than the Administrations of Union Territories) ..	2109
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court .. .. .	1223	PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	2437
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders, and Resolutions issued by the Ministry of Defence .. .. .	11	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence ..	215
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence .. .. .	879	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India ..	5247
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations .. .. .	—	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta ..	667
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills .. .. .	—	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners .. .. .	143
PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (i)—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India .. .. .		PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies .. .. .	1499
		PART IV.—Advertisements and Notices by Private individuals and Private Bodies .. .. .	155

**भाग I—खण्ड 1**  
**[PART I—SECTION 1]**

**(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं**

**[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]**

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 21 अगस्त, 1978

सं० 6-23011/5/77-जी० पी० ए०-III—अपनी नियुक्ति का कार्यकाल पूरा होने/सेवा निवृत्त होने के फलस्वरूप, राष्ट्रपति के निम्नलिखित अवैतनिक पुलिस ए० डी० सी० 29 जुलाई, 1978 से राष्ट्रपति के ए० डी० सी० के पद पर पदभुक्त समझे जायेंगे :—

1. श्री आर० के० गुप्ता भूतपूर्व पुलिस महानिरीक्षक, पश्चिम बंगाल।
2. श्री एन० एस० सक्सेना भूतपूर्व महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल
3. श्री खाला धी० के० डे निदेशक, नागरिक सुरक्षा व कमा-स्टैंड जनरल, होमगार्ड्स, असम।

सं० 6-23011/5/77-जी० पी० ए०-III—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारियों को अपने वैयक्तिक कर्मचारी वर्ग में 29 जुलाई, 1978 से नियुक्त करते हैं :—

अवैतनिक पुलिस ए० डी० सी० के लिए :—

1. श्री एस० टंडन, निदेशक, पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो, नई दिल्ली।
2. श्री एन० एच० सेठना, पुलिस महानिरीक्षक, गुजरात।
3. श्री पी० ए० रोशा, पुलिस महानिरीक्षक, हरियाणा।

सं० स० ग्राहलूवालिया, निदेशक

कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग

नई दिल्ली-110001, दिनांक 22 अगस्त, 1978

संकल्प

सं० 36021/2/77-स्थापना (अनु० जा०)—भारत सरकार द्वारा सरकार, संघ राज्य क्षेत्रों और सरकार के नियंत्रणाधीन सरकारी उपक्रमों के अधीन सेवाओं/पदों पर अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों की भर्ती के मामले में कार्यनिष्पादन की समीक्षा करने के लिए कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के दिनांक 8 नवम्बर, 1973 के संकल्प संख्या 27/8/73-स्थापना (अनु० जा०) तथा दिनांक 4 सितम्बर, 1975 के संकल्प संख्या 36021/4/75-स्थापना (अनु० जा०) के साथ पठित दिनांक 23-11-70 के संकल्प संख्या 27/9/70-स्थापना (अनु० जा०) द्वारा प्रधान मंत्री की अध्यक्षता में एक उच्चाधिकार समिति का गठन किया गया था।

2. भारत सरकार ने समिति का पुनर्गठन करने का निर्णय किया है, जिसमें निम्नलिखित सदस्य सम्मिलित होंगे :—

- (1) प्रधान मंत्री, अध्यक्ष
- (2) गृह मंत्री

(3) रक्षा मंत्री

(4) वित्त मंत्री

(5) उद्योग मंत्री

(6) नौवहन तथा परिवहन मंत्रालय में राज्य मंत्री

(7) गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री

(8) सचिव, गृह मंत्रालय

(9) सचिव अथवा अपर सचिव,

कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग

(यह इस बात पर निर्भर है कि इस विषय से कौन सम्बन्धित है)

(10) अपर सचिव तथा सरकारी उच्चम ब्यूरो के महानिदेशक, वित्त मंत्रालय।

(11) रोजगार कार्यालय के निदेशक, रोजगार तथा प्रशिक्षण महानिदेशालय।

के० सी० शर्मा, संयुक्त सचिव

नियम

नई दिल्ली, दिनांक 16 सितम्बर 1978

फा० सं० 12/3/78-के० से०-II—संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 1979 में निम्नलिखित सेवा/पदों की अस्थायी रिक्तियों में नियुक्ति के लिये आयोजित की जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के नियम आम जानकारी के लिये प्रकाशित किए जाते हैं :—

(i) भारतीय विदेश सेवा (ख)—(आशुलिपिक उप-संवर्ग का ग्रेड-II)

(ii) रेल बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा ग्रेड—ग (इस ग्रेड की चयन सूची में सम्मिलित करने के लिये)

(iii) केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा ग्रेड ग (इस ग्रेड की चयन सूची में सम्मिलित करने के लिये)

(iv) सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा—ग्रेड ग।

(v) भारत सरकार के कुछ अन्य विभागों/संगठनों तथा संबद्ध कार्यालयों में आशुलिपिकों के पद जो भारतीय विदेश सेवा ख/रेल बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक/केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा/सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा में सम्मिलित नहीं है।

1. उपर्युक्त सेवाओं/पदों में से किसी एक या एक से अधिक से संबंधित परीक्षा में प्रवेश के लिये कोई भी उम्मीदवार आवेदन कर सकता है। वह इनमें से जितनी सेवाओं/पदों के लिये विचार किये जाने का इच्छुक है, उनका उल्लेख अपने आवेदन-पत्र में कर सकता है।

नोट 1:—उम्मीदवारों को चाहिए कि वे जिन सेवाओं/पदों के लिये विचार किये जाने के दृष्टिकोण हों, उनका बरीयता क्रम स्पष्ट रूप से लिख दें। उम्मीदवार प्रारम्भ में अपने आवेदन-पत्र निर्दिष्ट सेवाओं/पदों के बरीयता क्रम में परिवर्तन करने के किसी भी ऐसे अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा जो संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में आयोग द्वारा आवेदन-पत्र प्राप्त करने की निर्धारित अंतिम तारीख को या उससे पहले न प्राप्त हो जाये।

नोट 2:—इस परीक्षा के माध्यम से भर्ती करने वाले कुछ विभागों/कार्यालयों को केवल अंग्रेजी आशुलिपिकों की ही आवश्यकता होगी और इस परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्ति केवल उन्हीं उम्मीदवारों में से की जाएगी जिन्हें लिखित परीक्षा तथा अंग्रेजी के आशुलिपिक परीक्षण के आधार पर आयोग द्वारा अनुशंसित किया जाता है (दृष्टव्य: नियमावली में परिशिष्ट I का पैरा 4)।

2. परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किये गये नोटिस में बताई जाएगी। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिये पद सरकार द्वारा निश्चित रिक्तियों को देखते हुए आरक्षित रखे जाएंगे।

अनुसूचित जातियों/जन जातियों से अभिप्राय निम्नलिखित आदेशों में उल्लिखित जातियों/जन जातियों में से किसी एक से है:—

संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950 संविधान (अनुसूचित जन जाति) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जाति) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951 संविधान (अनुसूचित जन जाति) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951 (अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन जाति) सूचियाँ (संशोधन) आदेश, 1956 बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960 पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 तथा उत्तर पूर्व क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 और अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन जाति (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित) संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश, 1956, संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जन जाति आदेश, 1959 अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जाति आदेश (संशोधन) अधिनियम 1976 द्वारा यथा संशोधित संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जाति आदेश, 1962, संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जाति आदेश, 1962, संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जाति आदेश, 1964 संविधान (अनुसूचित जन जाति) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1962, संविधान (गोवा, दमन और दीव) अनुसूचित जन जाति आदेश, 1968 तथा संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जन जाति आदेश, 1970।

3. संघ लोक सेवा आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट I में निर्धारित ढंग से ली जाएगी।

4. परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किये जायेंगे।

(1) उम्मीदवार की या तो—

- (क) भारत का नागरिक होना चाहिए, या
- (ख) नेपाल की प्रजा, या
- (ग) भूटान की प्रजा, या
- (घ) ऐसा तिब्बती शरणार्थी जो भारत में स्थाई रूप से रहने के इरादे से पहली जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो, या
- (ङ) कोई भारत का मूल व्यक्ति जो भारत में स्थाई रूप से रहने के इरादे से पाकिस्तान, अफगानिस्तान, श्रीलंका और कीनिया, उगांडा तथा तंजानिया, संयुक्त गणराज्य पूर्वी अफ्रीका के देशों से या जाम्बिया, मलावी, जेरे हथियोपिया या वियतनाम से आया हो।

परन्तु (ख) (ग) (घ) और (ङ) वर्गों के अंतर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पात्रता (एलिजिबिलिटी) प्रमाण पत्र होना चाहिए।

परन्तु यह और कि उपर्युक्त (ख) (ग) और (घ) के वर्गों के उम्मीदवार भारतीय विदेश सेवा (ख) (आशुलिपिक उप-संवर्ग का ग्रेड-II) में नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होंगे।

(2) परीक्षा में ऐसे उम्मीदवार को भी, जिसके लिये पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है परन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा आवश्यक प्रमाण-पत्र दिये जाने पर ही दिया जाएगा।

5. जो उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का न हो या कीनिया, उगांडा और तंजानिया के संयुक्त गणराज्य का प्रवाजक न हो या जाम्बिया, मलावी, जेरे और हथियोपिया से प्रत्यावर्तित भारत का मूल व्यक्ति न हो उसे प्रतियोगिता में दो से अधिक बार बैठने नहीं दिया जाएगा। यह प्रतिबन्ध वर्ष 1962 की परीक्षा के समय से लागू है।

नोट 1—इस नियम के प्रयोजन के लिये परीक्षा से अभिप्राय है आशुलिपिक परीक्षा, आशुलिपिक (आपातकालीन कमीशन/अल्पकालीन कमीशन प्राप्त निर्मुक्त अधिकारी तथा भूतपूर्व सैनिक) परीक्षा तथा आशुलिपिक (भूतपूर्व सैनिक) परीक्षा।

नोट 2—यदि कोई उम्मीदवार एक या अधिक सेवाओं/पदों के प्रतियोगिता में बैठे तो इस नियम के प्रयोजन के लिये उस उम्मीदवार की परीक्षा के अंतर्गत आने वाली सभी सेवाओं/पदों के लिये एक बार प्रतियोगिता परीक्षा में बैठा माना जाएगा।

नोट 3—किसी उम्मीदवार को प्रतियोगिता परीक्षा में बैठा तब माना जाएगा, जब वह वास्तव में किसी एक या अधिक विषयों की परीक्षा में बैठा हो।

6. (क) इस परीक्षा में प्रवेश के लिये यह आवश्यक है कि उम्मीदवार की आयु 1 जनवरी, 1979 को पूरे 18 वर्ष की हो गई हो किन्तु उसकी आयु पूरे 25 वर्ष न हुई हो, अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी 1954 से पहले और 1 जनवरी, 1961 के बाद न हुआ हो।

(ख) उन व्यक्तियों के संबंध में उपरी आयु सीमा में 35 वर्ष की आयु तक छूट दी जा सकती है जो, संघ राज्य क्षेत्र में प्रशासकों अथवा निर्वाचित आयोग तथा केन्द्रीय सतर्कता आयोग और लोक सभा/राज्य सभा सचिवालय के अधीन व्यक्तियों सहित, भारत सरकार के विभिन्न विभागों/कार्यालयों में आशुलिपिक (जिनमें भाषा आशुलिपिक भी शामिल हैं)/लिपिक/आशुलिपिकों के पदों पर नियमित रूप से नियुक्त हैं और 1 जनवरी, 1979 को जिन्होंने आशुलिपिक (भाषा आशुलिपिक समेत)/लिपिकों/आशुलिपिकों के रूप में कम से कम तीन वर्ष निरन्तर सेवा की है तथा उक्त पदों पर अभी तक काम कर रहे हैं।

परन्तु उपर्युक्त आयु संबंधी छूट उन व्यक्तियों को नहीं दी जाएगी जो संघ लोक सेवा आयोग द्वारा पहले ली गई परीक्षाओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी में आशुलिपिकों के रूप में नियुक्त किए जा चुके हैं।

- (i) केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा ग्रेड-ग या
- (ii) रेल बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा ग्रेड ग या
- (iii) भारतीय विदेश सेवा (ख) आशुलिपिक उप-संवर्ग का ग्रेड-II या;
- (iv) सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा ग्रेड-ग।

नोट—1 डाक व तार विभाग के अधीनस्थ कार्यालयों में नियुक्त रेल डाक छटाईकारों द्वारा की गई सेवा उपर्युक्त नियम 6(ख) के प्रयोजन के लिये लिपिक के ग्रेड में की गई सेवा मानी जाएगी।

नोट—2 रक्षा प्रतिष्ठानों में नियुक्त सेवा लिपिकों द्वारा की गई सेवा उपर्युक्त नियम 6(ख) के प्रयोजन के लिये नहीं गिनी जाएगी।

(ग) ऊपर बताई गई अधिकतम आयु सीमा में निम्नलिखित मामलों में और ढील दी जा सकेगी :—

- (i) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष तक।
- (ii) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक।
- (iii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या किसी अनुसूचित जन जाति का हो तथा भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का सद्भाविक विस्थापित व्यक्ति भी हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक।
- (iv) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से सद्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो और अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 का या उसके बाद उसने भारत से प्रव्रजन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।
- (v) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का हो और श्रीलंका से सद्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तथा अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रव्रजन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।
- (vi) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कौनिया उगांडा या तंजानिया संयुक्त गणराज्य से प्रव्रजन किया हो या जाम्बिया, मलावी जेरे और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक।
- (vii) यदि उम्मीदवार बर्मा से सद्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित मूलक व्यक्ति हो और उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक।
- (viii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो और बर्मा से सद्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो तथा उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक।
- (ix) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांतिग्रस्त में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से मुक्त किए गए रक्षा कामिकों को अधिक से अधिक तीन वर्ष तक।
- (x) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से नियुक्त किए गए ऐसे रक्षा कामिकों के लिए, जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति के हों, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक।
- (xi) 1971 के भारत पाकिस्तान के बीच संघर्ष के दौरान फौजी कार्यवाही में विकलांग होने के परिणामस्वरूप सेवा से निर्मुक्त किए गए सीमा-सुरक्षा बल के रक्षा कामिकों के लिए, अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(xii) वर्ष 1971 के भारत पाकिस्तान के बीच संघर्ष के दौरान फौजी कार्यवाही में विकलांग होने के परिणामस्वरूप सेवा से निर्मुक्त सीमा सुरक्षा बल के उन रक्षा कामिकों के लिए, जो अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जन जाति के हों, अधिक से अधिक आठ वर्ष तक।

(xiii) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पार पत्र हो) और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल का प्रमाण-पत्र है, और जो वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है, व उसके लिए अधिक से अधिक तीन वर्ष।

ऊपर की गई व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित आयु सीमा में किसी भी हालत में छूट नहीं दी जा सकती।

(ब) ऐसा उम्मीदवार जो निर्णायक तारीख अर्थात् पच्चीस जनवरी, 1979 को निर्धारित आयु सीमा से अधिक आयु का हो जाता है और जो आन्तरिक सुरक्षा अनुरक्षण अधिनियम के अन्तर्गत निरुद्ध किया गया था या 25-6-75 तथा 21-3-77 के बीच की आन्तरिक आपात स्थिति की अवधि के दौरान अभिकथित राजनैतिक कार्य-कलापों या तत्कालीन प्रतिबंधित संगठनों से संबंधित होने के कारण भारत रक्षा तथा आन्तरिक सुरक्षा अधिनियम, 1971 या उसके अन्तर्गत बने नियमों के अधीन गिरफ्तार या बंद हुआ था और इस प्रकार उक्त परीक्षा में प्रवेश हेतु निर्धारित आयु-सीमा के अन्तर होते हुए भी परीक्षा में उपस्थित होने से रोक दिया गया था, निम्नलिखित शर्तों पर परीक्षा में बैठने का पात्र होगा :—

- (i) कि उसने नियम 5 के अन्तर्गत ग्राह्य अधिकतम अवसरों का पहले लाभ न उठा लिया हो; और
- (ii) वह जून, 1975 और मार्च, 1977 के बीच की अवधि के दौरान उस परीक्षा में कम से कम एक बार भी नहीं बैठ पाया हो (अर्थात् उसने परीक्षा छोड़ दी हो) जिस के लिए वस सब प्रकार से पात्र था :

नोट :—इस रियायत के अन्तर्गत जो कि 31-12-1979 के बाद होने वाली किसी भी परीक्षा में प्रवेश के लिए ग्राह्य नहीं होगी एक से अधिक अवसर नहीं दिया जाएगा।

ध्यान दें : (i) जिस उम्मीदवार को नियम 6(ख) के अधीन परीक्षा में प्रवेश दे दिया गया हो उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी यदि आवेदन-पत्र भेजने के बाद वह परीक्षा से पहले या परीक्षा देने के बाद सेवा से त्यागपत्र दे देता है या विभाग द्वारा उसकी सेवाएं समाप्त कर दी जाती हैं किंतु आवेदन-पत्र भेजने के बाद यदि उसकी सेवा या पद से छटनी हो जाती है तो वह पात्र बना रहेगा।

(ii) ऐसा आशुलिपिक (भाषा आशुलिपिक सहित)/ लिपिक/आशुलेखक जो सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से संवर्ग बाह्य पदों पर प्रतिनियुक्ति पर है अथवा जिसे किसी अन्य पद पर स्थानांतरित कर दिया गया है परन्तु उसका धारणाधिकार उस पद पर है जिससे वह स्थानांतरित किया गया था, यदि वह अन्यथा पात्र है तो इस परीक्षा में बैठने का पात्र होगा।

7. उम्मीदवारों ने भारत के केंद्र या राज्य विधान मंडल के किसी अधिनियम द्वारा निर्गमित किसी विश्वविद्यालय की मैट्रिक परीक्षा अवस्था पास की हो, अथवा उसके पास किसी राज्य के शिक्षा बोर्ड के द्वारा माध्यमिक स्कूल कोर्स के अन्त में स्कूल लीविंग, माध्यमिक स्कूल, हाई स्कूल परीक्षा या कोई और प्रमाण-पत्र हो जो राज्य सरकारों की मीकरी में प्रवेश के लिए मैट्रिक के प्रमाण-पत्र के समकक्ष हो।

नोट 1 —कोई भी उम्मीदवार जिसने ऐसी कोई परीक्षा से भी है जिसके पास करने पर वह आयोग की परीक्षा के लिए वैधिक रूप से पात्र होगा परन्तु उसे परीक्षा फल की सूचना नहीं मिली है तथा ऐसा उम्मीदवार जो ऐसी अर्हक परीक्षा बैठने का इच्छुक है, आयोग की परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र नहीं होगा ।

नोट 2 — विशेष परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र मान सकता है जिसके पास उपर्युक्त अर्हताओं में से कोई अर्हता नहीं, बशर्ते कि उम्मीदवार ने किसी संस्था द्वारा ली गई कोई ऐसी परीक्षा पास कर ली हो जिसका स्तर आयोग के मतानुसार ऐसा हो कि उसके आधार पर उम्मीदवार को उक्त परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है ।

8. जो उम्मीदवार सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी रूप से काम कर रहे हों चाहे वे किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त भी क्यों न हों, पर आकस्मिक या दैनिक तौर पर नियुक्त न हुए हों, उन सब की अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष की ओर आयोग के नोटिस के उपाबन्ध के पैरा-2 में दिए गए अनुदेशों के अनुसार "अनापत्ति प्रमाण पत्र" प्रस्तुत करना होगा ।

9. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या आपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अंतिम होगा ।

10. किसी उम्मीदवार की परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाए या जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (सर्टिफिकेट आफ एडमिशन) न हो ।

11. उम्मीदवार को आयोग के नोटिस के पैरा 7 में निर्धारित फीस देनी होगी ।

12. जिस उम्मीदवार ने

- (i) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- (ii) नाम बवल कर परीक्षा से है, अथवा
- (iii) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप में कार्य साधन कराया है अथवा,
- (iv) जाली प्रमाण-पत्र या ऐसे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किए हैं जिनमें तथ्यों की बिगाड़ा गया हो, अथवा
- (v) गलत या झूठे बयान दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (vi) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य अनियमित अथवा अनुसूचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा
- (vii) परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो या
- (viii) उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखी हों जो अश्लील भाषा में या अभद्र आशय की हों, या
- (ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्व्यवहार किया हो, या
- (x) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कम-चारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक अति पहुँचाई हो,
- (xi) उपर्युक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा आयोग को अव्यग्रित करने का प्रयत्न किया हो

तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रासिक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे—

- (क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से जिसका वह उम्मीदवार है बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा
- (ख) उसे अस्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए (i) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिए ।
- (ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपयुक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है ।

13. परीक्षा के बाद आयोग हर एक उम्मीदवार की अंतिम रूप से दिए गए कुल प्राप्तीकों के आधार पर उनके योग्यता क्रम के अनुसार उनके नामों की सूची बनाएगा और उस क्रम के अनुसार आयोग उस परीक्षा में जितने उम्मीदवारों की अर्हता प्राप्त समझेगा, उनके नाम अपेक्षित संख्या तक केंद्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा और रेल बोर्ड सचिवालय आशुलिपि सेवा के ग्रेड ग की चयन सूची में सम्मिलित करने के लिए और इस परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली अन्य सेवाओं/पदों में अनारक्षित रिक्तियों में नियुक्ति के लिए अपेक्षित संख्या तक के नामों की अनुशंसा की जाएगी ।

परन्तु यदि सामान्य स्तर से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवार नहीं भरे जा सकते हों, तो आरक्षित कोटा में कमी पूरी करने के लिए आयोग द्वारा स्तर में छूट दे कर, चाहे परीक्षा के योग्यताक्रम में उनका कोई भी स्थान हो, केंद्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा तथा रेल बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड ग की चयन सूची में सम्मिलित करने के लिए अनुशंसित किए जा सकें बशर्ते कि ये उम्मीदवार इन सेवाओं/पदों पर नियुक्त के लिए उपयुक्त हों ।

14. नियमों की अन्य व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति करते समय उम्मीदवार द्वारा आवेदन-पत्र में विभिन्न सेवाओं/पदों के लिए बताए गए वरीयता-क्रम पर उचित ध्यान दिया जाएगा (द्रष्टव्य : आवेदन-पत्र का कालम 14) ।

15. प्रत्येक उम्मीदवार की परीक्षा परिणाम की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा और आयोग परीक्षा परिणाम के बारे में उनसे कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा ।

16. परीक्षा में पास होने मात्र से नियुक्ति का अधिकार तब तक नहीं मिलता, जब तक कि सरकार आवश्यक जांच के बाद सन्तुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार चारित्र्य तथा पूर्व वृत्त की दृष्टि से इस सेवा में नियुक्ति के लिए हर प्रकार से योग्य है ।

17. जिस व्यक्ति ने

- (क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबन्ध किया है जिसका जीवित पति/पत्नी पहले से है, या
- (ख) जीवित पति/पत्न के रहते हुए, किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबन्ध किया है ।

तो वह सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जाएगा ।

परन्तु यदि केंद्रीय सरकार इस बात से सन्तुष्ट हो जाए कि ऐसा विवाह, ऐसे व्यक्ति तथा विवाह सूत्र के त्वरे पक्ष पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं, तो वह किसी भी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है ।

18. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो संबंधित सेवा/पद के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलतापूर्वक

निष्ठाने में बाधक हो। यदि संक्षम अधिकारी द्वारा विहित डाक्टरी परीक्षा के बाव किसी उम्मीदवार के बारे में यह ज्ञात हुआ कि वह इन शर्तों को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी। केवल उन्हीं उम्मीदवारों को डाक्टरी परीक्षा की जाएगी जिनकी नियुक्ति के संबंध में विचार किए जाने की संभावना हो।

नोट:—भूतपूर्व रक्षा सेवा के विकलांग कामियों के संबंध में रक्षा सेवा के डिमोबिलाइजेशन मेडिकल बोर्ड द्वारा किया गया स्वस्थता प्रमाण पत्र नियुक्ति के लिए पर्याप्त समझा जाएगा।

19. इस परीक्षा के द्वारा जिस सेवा के लिए भर्ती की जा रही है उसके संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट-II में दिए गए हैं।

के० बी० नायर, अवर सचिव

#### परिशिष्ट I

1. परीक्षा के विषय, प्रत्येक विषय के लिये दिया गया समय तथा पूर्णांक इस प्रकार होंगे:—

#### भाग-क—लिखित परीक्षा

विषय	दिया गया समय	पूर्णांक
	घंटे	
(i) सामान्य अंग्रेजी	2	100
(ii) निबन्ध	2	100
(iii) सामान्य ज्ञान	2	100

भाग-ख हिन्दी या अंग्रेजी में आशुलिपिक परीक्षा

(लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण होने वालों के लिये)—300 अंक

नोट:—उम्मीदवारों को अपने आशुलिपिक नोट टंकण मशीन पर लिप्यन्तर करने होंगे, और इस प्रयोजन के लिये उन्हें अपनी टंकण मशीन लानी होगी।

2. सामान्य अंग्रेजी और सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्रों में वस्तुपूरक प्रकार के प्रश्न होंगे, प्रश्नों के नमूने सहित विवरण के लिये परिशिष्ट-III पर उम्मीदवारों के लिये सूचना पुस्तिका देखिये।

3. लिखित परीक्षा के लिये पाठ्य विवरण तथा आशुलिपि परीक्षाओं की योजना इस परिशिष्ट की संलग्न अनुसूची के अनुसार होगी।

4. उम्मीदवारों को प्रश्न पत्र (ii) "निबन्ध" और प्रश्न पत्र (iii) 'सामान्य ज्ञान' का उत्तर हिन्दी (देवनागरी) या अंग्रेजी में देने की छूट है। यह छूट पूर्ण प्रश्न पत्रों के लिये लागू होगी न कि उसके किसी भाग के लिये और यह छूट उपर्युक्त दोनों प्रश्न पत्रों के लिये समान है।

जिन उम्मीदवारों ने निबन्ध के प्रश्न-पत्र का उत्तर देने के लिये हिन्दी (देवनागरी) का विकल्प दिया है, यदि वे चाहें, तो कोष्ठकों में तकनीकी शब्दों को हिन्दी में लिखने के साथ उनका अंग्रेजी रूपान्तर कोष्ठकों में लिख दें।

जो उम्मीदवार उपर्युक्त प्रश्न-पत्र के उत्तर हिन्दी (देवनागरी) में लिखने का विकल्प देंगे उन्हें आशुलिपि की परीक्षा भी केवल हिन्दी (देवनागरी) में ही देनी होगी और जो उम्मीदवार उपर्युक्त प्रश्न-पत्र के उत्तर अंग्रेजी में लिखने का विकल्प देंगे उन्हें आशुलिपि की परीक्षा भी केवल अंग्रेजी में ही देनी होगी।

निबन्ध और सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्र हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में तैयार किये जायेंगे।

नोट 1:—जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में निबन्ध के प्रश्न (ii) तथा सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्र (iii) का उत्तर तथा आशुलिपि परीक्षा हिन्दी में देने के इच्छुक हों, तो यह विकल्प आवेदन पत्र के कालम 9 में लिखें। अन्यथा यह माना जायेगा कि उम्मीद-

वार लिखित परीक्षा तथा आशुलिपि परीक्षा अंग्रेजी में देंगे। एकबार दिया गया विकल्प अन्तिम समझा जायेगा और उक्त कालम में कोई परिवर्तन करने का अनुरोध स्वीकार नहीं किया जायेगा।

नोट 2:—जो उम्मीदवार आशुलिपि परीक्षा हिन्दी में देने का विकल्प देंगे उन्हें अंग्रेजी आशुलिपि और जो आशुलिपि परीक्षा अंग्रेजी में देने का विकल्प देंगे उन्हें हिन्दी आशुलिपि नियुक्ति के बाव सोखनी होगी।

नोट 3:—जो उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 4 के अनुसार विदेशों में स्थित मिशन में परीक्षा देना चाहते हैं और निबन्ध के प्रश्न पत्र (ii) का उत्तर तथा आशुलिपि परीक्षा हिन्दी में देना चाहते हैं, उन्हें अपने निजी व्यय पर आशुलिपि परीक्षाएँ विदेश में किसी भारतीय मिशन में, जहाँ ऐसी परीक्षाएँ देने के लिये आवश्यक प्रबन्ध हों, परीक्षा देनी होगी।

5. लिखित परीक्षा का प्रश्न पत्र (i) सामान्य अंग्रेजी केवल अंग्रेजी में ही तैयार किया जायेगा और सभी उम्मीदवारों द्वारा अंग्रेजी में ही उत्तर दिए जाएंगे।

6. जो उम्मीदवार 120 शब्द प्रति मिनट वाले श्रुत लेख में न्यूनतम अर्हता प्राप्त कर देंगे उन्हें 100 शब्द प्रति मिनट वाले श्रुत लेख से वही स्तर प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों के क्रम में ऊँचा रखा जायेगा। प्रत्येक ग्रुप में उम्मीदवारों को प्रत्येक उम्मीदवार को दिये गये कुल अंकों के अनुसार पारस्परिक प्रवृत्ता अनुक्रम में रखा जायेगा (दृष्टव्य: निम्नलिखित अनुसूची का भाग ख)।

7. उम्मीदवारों को सभी उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी हालत में उन्हें उत्तर लिखने के लिये अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

8. आयोग अपने निर्णय से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्हक अंक निर्धारित कर सकता है।

9. केवल उन्हीं उम्मीदवारों को आशुलिपि परीक्षा के लिये बलाया जायेगा जो आयोग को विवक्षा के अनुसार न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेंगे।

10. केवल सतही ज्ञान के लिये अंक नहीं दिये जायेंगे।

11. अस्पष्ट लिखावट के कारण, लिखित विषयों के पूर्णांकों में से 5 प्रतिशत अंक काट लिए जायेंगे।

12. निबन्ध के प्रश्न पत्र की परीक्षा में कम से कम शब्दों में क्रम-बद्ध, प्रभावपूर्ण ढंग से और ठीक ठीक की गई भावाभिव्यक्ति को विशेष महत्त्व दिया जायेगा।

अनुसूची

भाग क

लिखित परीक्षा का स्तर और पाठ्य विवरण

नोट—भाग 'क' के प्रश्न-पत्रों का स्तर लगभग वही होगा जो किसी भारतीय विश्वविद्यालय की मैट्रिकुलेशन परीक्षा का होता है।

सामान्य अंग्रेजी:—यह प्रश्न पत्र इस ढंग से तैयार किया जायेगा कि इस से उम्मीदवार के अंग्रेजी व्याकरण और निबन्ध रचना के ज्ञान को तथा अंग्रेजी भाषा को समझने और शुद्ध अंग्रेजी लिखने की उनकी योग्यता की जाँच हो जाये। इस प्रश्न-पत्र में शब्दों के शुद्ध प्रयोग, श्रान्त मुहावरों और अर्थ (प्रोपोजीशन) डायरेक्ट और इन्डायरेक्ट स्पीच आदि शामिल किये जा सकते हैं।

निबन्ध—उम्मीदवारों को दो प्रकरणों पर निबन्ध लिखना होगा। विषय चुनने की छूट दी जायेगी। उनसे यह आशा की जायेगी कि वे

अपने विचार व्यवस्थित रूप से निबन्ध के विषय में सम्बन्ध में ही संक्षिप्त रूप से लिखेंगे। प्रभावपूर्ण ढंग से तथा ठीक-ठीक भाव व्यक्त करने वालों को श्रेय दिया जायेगा।

**सामान्य ज्ञान :—**निम्नलिखित विषयों की थोड़ी बहुत जानकारी—भारत का संविधान, पंचवर्षीय योजनाएँ, भारतीय इतिहास और संस्कृति, भारत का सामान्य और आर्थिक भूगोल, वर्तमान घटनाक्रम, सामान्य विज्ञान और दिन प्रतिदिन तजर्रर आने वाली ऐसी बातें जिनकी जानकारी पढ़े लिखे व्यक्ति की होनी चाहिये। उम्मीदवारों के उत्तरों से यह प्रकट होना चाहिये कि उन्होंने प्रश्नों को अच्छी तरह से समझा है। उनके उत्तरों में किसी पाठ्य-पुस्तक के व्यौरवार ज्ञान की अपेक्षा नहीं की जाती है।

#### भाग (ख)

आशुलिपि परीक्षाओं की योजना—अंग्रेजी में आशुलिपि की परीक्षाओं में दो श्रुतश्रेष्ठ परीक्षाएँ होंगी। एक 120 शब्द प्रति मिनट की गति से सात मिनट के लिये और दूसरी 100 शब्द प्रति मिनट की गति से दस मिनट के लिये जो उम्मीदवारों को क्रमशः 45 तथा 50 मिनटों में लिप्यन्तर करने होंगे।

हिन्दी में आशुलिपि की परीक्षाओं में दो श्रुतश्रेष्ठ परीक्षाएँ होंगी। एक 120 शब्द प्रति मिनट की गति से सात मिनट के लिये और दूसरी 100 शब्द प्रति मिनट की गति से दस मिनट के लिये जो उम्मीदवारों को क्रमशः 60 तथा 65 मिनटों में लिप्यन्तर करने होंगे।

#### परिशिष्ट II

उन सेवाओं/पदों से संबंधित संक्षिप्त विवरण जिनके लिये इस परीक्षा द्वारा भर्ती की जा रही है।

क—केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा

केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा में इस समय निम्नलिखित चार ग्रेड हैं :—

ग्रेड-क :—रु० 650-30-740-35-810-रु० री०-35-880-40-1000 रु० री०-40-1200।

ग्रेड-ख :—रु० 650-30-740-35-880-रु० री०-40-1040।

ग्रेड-ग :—रु० 425-15-500-रु० री०-15-560-20-700-रु० री०-25-800।

ग्रेड-घ :—रु० 330-10-380-रु० री०-12-500-रु० री०-15-560

ग्रेड-ख से ग्रेड-क में पदोन्नत हुए व्यक्तियों का वेतन इस वेतनमान में न्यूनतम रु० 775 पर निर्धारित कर दिया गया है। ग्रेड-ग से पदोन्नत होने वाले व्यक्तियों का वेतन इस वेतनमान में रु० 710 पर निर्धारित किया जायेगा।

(2) उक्त सेवा के ग्रेड-ग में नियुक्त व्यक्ति दो वर्ष तक परीक्षाधीन रहेंगे। इस अवधि के दौरान उन्हें सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करने पड़ सकते हैं और परीक्षाएँ देनी पड़ सकती हैं।

(3) परीक्षा की अवधि पूरी होने पर सरकार संबंधित व्यक्ति को उसके पद पर स्थाई कर सकती है या यदि उसका कार्य अथवा आचरण सरकार की राय में असन्तोषजनक रहा हो तो उसे सेवा से निकाला जा सकता है या सरकार उसकी परीक्षा अवधि जितनी और बढ़ाना उचित समझे बढ़ा सकती है।

(4) सेवा के ग्रेड-ग में भर्ती किये गये व्यक्तियों को केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा योजना में भाग लेने वाले मंत्रालयों या कार्यालयों में से किसी एक में नियुक्त कर दिया जायेगा। किन्तु उसकी किसी भी समय किसी भी ऐसे अन्य मंत्रालय या कार्यालय में बदली हो सकती है।

(5) सेवा के ग्रेड-ग में भर्ती किये गये व्यक्ति इस सम्बन्ध में समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार अपने उच्चतर ग्रेड में पदोन्नति किये जाने के पात्र होंगे।

(6) जिन लोगों की नियुक्ति सेवा के ग्रेड-ग में उनके अपने विकल्प के अनुसार की जायेगी वे उस नियुक्ति के पश्चात् भारतीय विदेश सेवा (ख) के संबंध अथवा रेल बोर्ड सचिवालय सेवा योजना में शामिल किसी पद पर स्थानान्तरण या नियुक्ति का दावा न कर सकेंगे।

ख—रेल बोर्ड आशुलिपिक सेवा

(क) (i) रेल बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा में इस समय निम्नलिखित चार ग्रेड हैं :—

ग्रेड-क :—रु० 650(775)-35-880-40-1000-रु० री०-40-1200

ग्रेड-ख :—रु० 650-30-740-35-880-रु० री०-40-1040

ग्रेड-ग :—रु० 425-15-500-रु० री०-15-560-20-700 रु० री०-25-800

ग्रेड-घ :—रु० 330-10-380-रु० री०-12-500-रु० री०-15-560

ग्रेड-ख से ग्रेड-क में पदोन्नत होने वाले व्यक्तियों को इस वेतनमान में कम से कम वेतन रु० 775 दिया जाता है।

ग्रेड-ग से ग्रेड-ख में पदोन्नत होने वाले व्यक्तियों को इस वेतनमान में कम से कम वेतन रु० 710—दिया जाता है।

(ii) सेवा के ग्रेड-ग में नियुक्त व्यक्तियों को दो वर्ष तक परीक्षा पर रखा जायेगा। इस अवधि के दौरान उन्हें सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना और परीक्षाएँ देनी आवश्यक हो सकती हैं। परीक्षा अवधि के समाप्त होने पर यदि यह पाया जाता है कि सरकार के विचार में उनका कार्य अथवा आचरण सन्तोषजनक नहीं है तो उनकी सेवाएँ समाप्त की जा सकती हैं या सरकार उसकी परीक्षा अवधि जितनी और बढ़ाना उचित समझे बढ़ा सकती है।

(iii) उपर्युक्त सेवा के ग्रेड-ग में नियुक्त किये गये व्यक्ति इस संबंध में समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार अगले उच्चतर ग्रेड में पदोन्नति के लिये पात्र होंगे।

(ख) रेल बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा की रेल मंत्रालय तक ही सीमित किया गया है तथा उनके स्टॉक का स्थानान्तरण अन्य मंत्रालय में नहीं किया जा सकता जैसा कि केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा में व्यवस्था है।

(ग) इन नियमों के अधीन भर्ती किये गये रेल बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा के अधिकारी :—

(i) पेंशन सुविधाओं के लिये पात्र होंगे, तथा

(ii) वे नियुक्त होने की तारीख से रेल कर्मचारियों पर लागू नियमों के अधीन गैर-अंशदायी राज्य रेल भविष्य निधि में अंशदान करेंगे।

(घ) नियुक्त होने की तारीख को रेल कर्मचारियों पर लागू नियमों के अन्तर्गत रेल बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा में नियुक्त उम्मीदवार पास के हकदार तथा विशेष टिकट आर्डर के भी हकदार होंगे।

(ङ) जहाँ तक छुट्टी तथा अन्य सेवा शर्तों का सम्बन्ध है रेल बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा में सम्मिलित किये गये स्टॉक अन्य रेल कर्मचारियों के समान ही माने जायेंगे किन्तु जहाँ तक थ्रिफर्स सुविधाओं का सम्बन्ध है वे केन्द्रीय सरकार के अन्य कर्मचारियों जिनका मुख्यालय नई दिल्ली में है पर लागू नियमों द्वारा शासित होंगे।

(ग) भारतीय विदेश सेवा (ख)—आशुलिपिकों की उपसंवर्ग।

भारतीय विदेश सेवा (ख) आशुलिपिकों के उप-संवर्ग में इस समय निम्नलिखित चार ग्रेड हैं :—

चयन ग्रेड :—रु० 775-35-880-40-1000-रु० री०-40-1200

ग्रेड-I रु० 650-30-740-35-880-रु० री०-40-1040

ग्रेड-II रु० 425-15-500-रु० री०-15-560-20-700 रु० री०-25-800



ग्रेड-III : रु० 330-10-380-६० रु० 12-500-६० रु० 15-560

(ग्रेड-ग से पदोन्नत होने वाले व्यक्तियों का वेतन इस वेतनमान में न्यूनतम रु० 710/— पर निर्धारित किया जायेगा।)

2. इस सेवा के ग्रेड ग में भर्ती किये गये व्यक्ति दो वर्ष की परिवीक्षा पर होंगे। इस अवधि के दौरान उन्हें सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करने पड़ सकते हैं, और परीक्षाएँ देनी पड़ सकती हैं। परिवीक्षा की अवधि पूरी होने पर यदि उनमें से किसी का कार्य या आचरण सरकार की राय में असन्तोषजनक रहा तो उसे सेवा से निकाला जा सकता है या सरकार उसकी परिवीक्षा अवधि जितनी और बढ़ाना उचित समझे बढ़ा सकती है।

3. भारतीय विदेश सेवा (शाखा ख) आशुलिपिकों के उप-संवर्ग-II में नियुक्त अधिकारी भारतीय विदेश सेवा शाखा ख (आर० सी० एस० पी० नियमावली) 1964 भारतीय विदेश सेवा (पी० एल० सी० ए०) नियमावली 1962 जो भारतीय विदेश सेवा 'ख' के अधिकारियों पर लागू की गई है तथा वे नियम और आदेश जो भारत सरकार द्वारा उन पर लागू किये जायें द्वारा शासित होंगे।

4. भारतीय विदेश सेवा शाखा (ख) विदेश मंत्रालय और विदेश में भारतीय मिशनों तक ही सीमित है। इस सेवा में नियुक्त अधिकारी बाणिज्य मंत्रालय को छोड़कर सामान्यतया अन्य मंत्रालयों में स्थानान्तरित नहीं किये जा सकेंगे। परन्तु वे विदेशों में अन्य मंत्रालयों में निमित्त पदों पर तथा अन्तर्राष्ट्रीय आयोगों आदि में भी नियुक्त किये जा सकते हैं। वे भारत में तथा भारत के बाहर कहीं भी उन स्थानों सहित जहाँ परिवार का कोई भी सदस्य साथ नहीं रखना होला सेवा पर भेजे जा सकते हैं।

5. भारतीय विदेश सेवा (ख) के अधिकारियों को विदेशों में उसके मूल वेतन के अतिरिक्त उस दर से विदेश भत्ता दिया जायेगा जो सम्बन्ध देशों के निर्वाह खर्च आदि के आधार पर समय-समय पर स्वीकार किया जाये। इसके अतिरिक्त भारतीय विदेश सेवा (ख) के अधिकारियों के लिये लागू भारतीय विदेश सेवा (पी० एल० सी० ए०) नियमावली, 1961 के अनुसार विदेश सेवा अवधि में निम्नलिखित रियायतें भी स्वीकार्य होंगी :—

(i) सरकार द्वारा निर्धारित वेतनमान के अनुसार निःशुल्क सुसज्जित आवास।

(ii) सहाय्यार्थ चिकित्सा परिचर्यायोजना के अन्तर्गत चिकित्सा परिचर्या सुविधायें।

(iii) 8 और 21 वर्ष की आयु के बीच के अधिक से अधिक दो बच्चों के लिये जो भारत में पढ़ रहे हों अथवा एक बच्चा भारत में तथा दूसरा विदेश में अधिकारी की तैनाती से इतर किसी अन्य देश में पढ़ रहा हो कतिपय शर्तों के अधीन आयु मार्ग द्वारा वापसी यात्रा व्यय। यदि सरकारी कर्मचारी के भारत में शिक्षा प्राप्त कर रहे 8 और 21 वर्ष की आयु के बीच दो से अधिक बच्चे हैं तो उसे विदेश में अपने माता पिता के पास यात्रा करने वाले दो बच्चों के बदले अपनी पत्नी को छुट्टियों के दौरान भारत भेजने का विकल्प होगा। ऐसे किसी मामले में सरकारी कर्मचारियों की पत्नी सस्ती से सस्ती उपलब्ध श्रेणी से वायु मार्ग द्वारा वापसी यात्रा व्यय की हकदार होगी।

(iv) सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित दर से 5 से 18 वर्ष से अधिक से अधिक दो बच्चों का शिक्षा भत्ता।

(v) विहित नियमों और समय-समय पर सरकार द्वारा निश्चित दरों पर के अनुसार विदेशों में सेवा करने के सम्बन्ध में सज्जाकरण भत्ता। साधारण सज्जाकरण भत्ते के अतिरिक्त असाधारण ठंडी जलवायु वाले देशों में नियुक्त अधिकारियों को निगिष्ट सज्जाकरण भत्ता प्राप्त होगा।

(vi) विहित नियमों के अनुसार अधिकारियों और उनके परिवारों को घर जाने की छुट्टी का यात्रा किराया।

(6) केन्द्रीय सिविल सेवा (छुट्टी) नियम 1972 जो समय-समय पर संशोधित किये गये हैं कतिपय संशोधनों के अधीन इस सेवा के सदस्यों पर लागू होंगे। ये अधिकारी कुछ पड़ोसी देशों को छोड़ कर विदेश सेवा में केन्द्रीय सिविल सेवा (छुट्टी) नियम 1972 के अधीन प्राप्य छुट्टियों के 50 प्रतिशत तक अतिरिक्त छुट्टी जमा कर सकेंगे।

7. उक्त अधिकारी जो भारत में होंगे तो ऐसी रियायतों के हकदार होंगे, जो बराबर तथा एक समान स्तर के अन्य केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों के लिये प्राप्य हों।

8. भारतीय विदेश सेवा (ख) के अधिकारी सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएँ) नियमावली, 1960 जिसे समय-समय पर संशोधित किया गया है तथा उसके अन्तर्गत जारी किये गये आदेशों द्वारा शासित होंगे।

9. इस सेवा में नियुक्त अधिकारी केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियमावली 1972 जिसे समय-समय पर संशोधित किया गया है और इसके अन्तर्गत जारी किये गये आदेशों के द्वारा शासित होंगे।

घ—सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा

सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा में इस समय निम्नलिखित चार ग्रेड हैं :—

1. ग्रेड-क—आशुलिपिक (निजी सचिव)—ग्रुप-ख—राजपत्रित (जून ग्रेड) वेतनमान :—रु० 650-(775)-30-740-35-810-६०-रु०-35-880-40-1000-६० रु०-40-1200।

\*ग्रेड-ख से पदोन्नत किये गये अधिकारियों को न्यूनतम वेतन दिया जायेगा।

2. ग्रेड-ख आशुलिपिक (वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक)—ग्रुप-राजपत्रित वेतनमान :—रु० 650(710)-30-740-35-880-६० रु०-40-1040।

\*ग्रेड-ग से पदोन्नत किये गये अधिकारियों को न्यूनतम वेतन दिया जायेगा।

3. ग्रेड-ग आशुलिपिक (वैयक्तिक सहायक)—ग्रुप ख—अराजपत्रित वेतनमान रु० 425-15-500-६० रु०-15-560-20-700-६० रु०-25-800।

4. ग्रेड-घ आशुलिपिक —ग्रुप ग वेतनमान रु० 330-10-380-६० रु०-12-500-६० रु०-15-560।

2. अस्थाई आशुलिपिक ग्रेड-ग (वैयक्तिक सहायक) के रूप में सीधे भर्ती किये गये व्यक्ति दो वर्ष तक परिवीक्षाधीन रहेंगे। इस अवधि में यदि असन्तोषजनक सेवा अभिलेख रहा, तो परिवीक्षाधीन व्यक्ति को सेवा से निकाला जा सकता है। परिवीक्षाधीन अवधि में उन्हें समय-समय पर सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करने पड़ सकते हैं और परीक्षाएँ देनी पड़ सकती हैं।

3. सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा में भर्ती किया गया ग्रेड-ग का आशुलिपिक सामान्यतः सशस्त्र सेना मुख्यालय और दिल्ली/नई दिल्ली स्थित अन्तर सेवा संगठन के किसी कार्यालय में नियुक्त किया जायेगा। वह दिल्ली/नई दिल्ली के बाहर अन्य स्थानों पर भी नियुक्त किया जा सकेगा। जहाँ सशस्त्र सेना मुख्यालय अन्तर सेवा संगठन के कार्यालय स्थित हों।

4. ग्रेड-ग के आशुलिपिक ग्रेड ख (वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक) के पदों पर पदोन्नति के लिये पात्र होंगे और ग्रेड-ख के आशुलिपिक (वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक) समय-समय पर लागू किये गये नियमों के अनुसार ग्रेड-क के आशुलिपिक (निजी सचिव) के रूप में पदोन्नति के पात्र होंगे।

5. छुट्टी चिकित्सा सहाय्यता और सेवा की अन्य शर्तें हैं जो सशस्त्र सेना मुख्यालय और अन्तर सेवा संगठनों में नियुक्त अन्य लिपिक वर्गीय कर्मचारियों के लिये लागू हैं।

## संघ लोक सेवा आयोग

## उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका

(केवल सामान्य अंग्रेजी और सामान्य ज्ञान के लिये)।

## वस्तु पत्र परीक्षण

सामान्य अंग्रेजी और सामान्य ज्ञान के प्रश्न-पत्र वस्तुपत्रक किस्म के बहुविकल्प उत्तर के होंगे। इस प्रकार की परीक्षा में आपको उत्तर फेंसाकर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसकी आगे प्रश्नांश कहा जायेगा) के लिये कई संभाव्य उत्तर दिये जाते हैं। उनमें से प्रत्येक के लिये एक उत्तर (जिसको आगे प्रत्युत्तर कहा जायेगा) आपको चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षण के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षण के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

## परीक्षा का स्वरूप

प्रश्न पत्र 'परीक्षण पुस्तिका' के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में क्रम संख्या 1, 2, 3 ..... के क्रम में प्रश्न होंगे। हर एक प्रश्न के नीचे a, b, c, ..... क्रम में संभावित उत्तर लिखे होंगे। आपका काम प्रत्येक प्रश्न के लिये एक सही या यदि एक से अधिक उत्तर सही है तो उनमें से सर्वोत्तम उत्तर का चुनाव करना होगा। अन्त में दिये गये नमूने के प्रश्न देखें। किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्न के लिये आपको एक ही उत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक उत्तर को चुन लेते हैं तो आपका उत्तर गलत माना जायेगा।

## उत्तर देने की विधि

उत्तर देने के लिये आपको अलग से एक उत्तर पत्रक परीक्षा भवन में दिया जायेगा। आपको अपने उत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पुस्तिका को छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखे गये उत्तर जांचे नहीं जायेंगे।

उत्तर पत्रक में प्रश्नों की संख्याएँ 1 से 200 तक चार खंडों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने a, b, c, d, e के क्रम से प्रत्युत्तर छपे होंगे। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम है, आपको उस प्रत्युत्तर के अक्षर को दर्शाने वाले आयाम को पेन्सिल से काला बनाकर उसे अंकित कर देना है, जैसा कि संलग्न उत्तर पत्रक के नमूने पर दिखाया गया है। सही उत्तर दर्शाने वाले आयाम को काला बनाने के लिये स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिये। आपके उत्तर पत्रक में दिये गये उत्तरों का मूल्यांकन एक मूल्यांकन मशीन से किया जायेगा। इसलिये यह जरूरी है कि

1. आप केवल एब्. बी० पैसिल का उपयोग करें। सम्भव है दूसरी पैसिल या कलम से लगाये गये निशान मशीन से ठीक ठीक न पढ़ें जायें। इस उद्देश्य के लिये परीक्षा भवन में प्रयोग के लिये आप अपने साथ एब्. बी० पैसिल ही लायें।

2. यदि आपने गलत निशान लगाया है तो उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर का निशान लगा दें। इस हेतु आपको अपने साथ मिटाने के लिये रबड़ लानी चाहिये।

3. उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय कोई ऐसी असावधानी न हो जिससे वह खराब हो जाये।

## कुछ महत्वपूर्ण नियम

1. आपको परीक्षा आरम्भ करने के लिये निर्धारित समय से 20 मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचते ही अपना स्थान ग्रहण करना होगा।

2. परीक्षा शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।

3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।

4. परीक्षा समाप्त होने के बाद परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक पर्यवेक्षक को सौंप दें। आपको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा-भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है। यदि आप ऐसा करेंगे तो आपको दण्ड दिया जायेगा।

5. उत्तर पत्रक पर नियत स्थान पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नम्बर, केन्द्र, विषय परीक्षण की तारीख और परीक्षण पुस्तिका की क्रम संख्या साफ साफ स्याही से लिखें। उत्तर पत्रक पर कहीं भी आपको अपना नाम नहीं लिखना है। उत्तर पत्रक पर लाल स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिये।

6. परीक्षण-पुस्तिका में दिये गये सभी अनुदेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। चूंकि मूल्यांकन मशीन के द्वारा होता है, इसलिये संभव है कि इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नम्बर कम हो जायें। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविष्टि संदिग्ध है, तो उस प्रश्नांश के लिये आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के दिये गये अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरम्भ या समाप्त करने को कहें तो उनके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।

7. आप अपना प्रवेश प्रमाण पत्र साथ लायें। आपको अपने साथ एक एब्. बी० पैसिल, एक शार्पनर, एक रबड़ और नीली या काली स्याही वाली कलम भी लानी होगी। आपको परीक्षा भवन में कोई कच्चा कागज या कागज का टुकड़ा, पैमाना या लेखन सामग्री नहीं लानी है क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। कच्चे काम के लिये आपको एक अलग कागज दिया जायेगा। आप कच्चा काम शुरू करने के पहले उस पर परीक्षा/परीक्षण का नाम, अपना रोल नम्बर, परीक्षण का विषय और तारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को वापस कर दें।

## कुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपको गति की अपेक्षा शुद्धता का जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का, बहुत किफायत के साथ, उपयोग करें। सन्तुलन के साथ आप जितनी जल्दी आगे बढ़ सकते हैं, बढ़ें; पर लापरवाही न हो। अगर आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते हैं तो चिन्ता न करें। आप को जो प्रश्न अत्यन्त कठिन लगें, उन पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की ओर बढ़ें और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नों के अंक समान होंगे। आप सभी प्रश्नों के उत्तर दें। आपके द्वारा अंकित सही उत्तरों की संख्या के आधार पर अंक दिये जायेंगे।

प्रश्न इस तरह बनाये जाते हैं कि उनसे आपकी स्मरण शक्ति की अपेक्षा, जानकारी, सूझ बूझ और विश्लेषण-शक्तता की परीक्षा हो। आपके लिये यह लाभदायक होगा कि आप संगत विषयों को एक बार सरसरी निगाह से देखें और इस बात से आश्वस्त हो जायें कि आप अपने विषय को अच्छी तरह समझते हैं।

## विशेष अनुदेश

जब आप परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाते हैं। तब निरीक्षक से आपको उत्तर पत्रक मिलेगा। उत्तर पत्रक पर अपेक्षित सूचना अपनी कलम से भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका देंगे। प्रत्येक परीक्षण पुस्तिका पर हाशिये में सील लगी होगी जिससे कि परीक्षण शुरू हो जाने के पहले उसे कोई खोल नहीं पाये। जैसे ही आपको परीक्षण पुस्तिका मिल जाये, तुरन्त आप देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई और सील लगी हुई है। अन्यथा, उसे बदलवा लें। जब यह हो जाये तब आपको उत्तर पत्रक के सम्बद्ध आने

में अपनी-अपनी परीक्षण पुस्तिका की क्रम संख्या लिखनी होगी। जब तक पर्यवेक्षक परीक्षण पुस्तिका की सील तोड़ने को न कहें तब तक आप उसे न तोड़ें।

#### परीक्षण का समापन

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बन्द करने को कहें, आप लिखना बन्द कर दें। जो उम्मीदवार इस तरह बन्द नहीं करते हैं, वे दण्ड के भागी होंगे।

जब आपका उत्तर लिखना समाप्त हो जाये तब आप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक निरीक्षक आपके यहां आकर आपकी परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक न ले जायें और आपको 'हाल' छोड़ने की अनुमति न दें। आपको परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है। इस निवेश का उल्लंघन करने वाले दण्ड के भागी होंगे।

#### 2. सामान्य ज्ञान

1. निम्नलिखित में से किस के द्वारा उप केन्द्रित समष्टि मिश्रित विकसित हुआ है।

- नेलिलियो
- टोलमी
- न्यूटन
- कोपरनिकस

(उत्तर—b)

2. निम्नलिखित में से कौन सा संयुक्त राष्ट्र संघ का अंग नहीं है :-

- सुरक्षा परिषद
- न्यायिता परिषद
- अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष
- अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय

(उत्तर—c)

3. भौयं वंश के पतन के लिये निम्नलिखित कारणों में से कौन सा उत्तरदायी नहीं है?

- अशोक के उत्तराधिकारी सबके सब कमजोर थे।
- अशोक के बाद साम्राज्य का विभाजन हुआ।
- उत्तरी सीमा पर प्रभावशाली सुरक्षा की व्यवस्था नहीं हुई।
- अशोकोत्तर युग में आर्थिक रिक्रिस्ता थी।

(उत्तर—d)

4. संसदीय स्वरूप की सरकार में

- विधायिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
- विधायिका कार्यपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
- कार्यपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- न्यायपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- कार्यपालिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।

(उत्तर—c)

बिस् मंत्रालय

राजस्व विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 21 अगस्त 1978

संकल्प

सं० ई०-11011/3/77-रा० भा०—इस विभाग के 22 जून, 1978 के संकल्प संख्या ई०-11011/3/77-रा० भा० प्र० द्वारा यथासंशोधित, भारत के राजपत्र दिनांक 11 मार्च, 1978 के भाग I, खण्ड 1, में पृष्ठ 183 पर प्रकाशित, दिनांक 20 फरवरी, 1978 के संकल्प संख्या ई०-11011/3/77-समन्वय में निम्नलिखित प्रविष्टि संरचना के अन्तर्गत जोड़ी जाएगी, अर्थात् :—

'10. श्री आत्माराम रावजी देवपाण्डे 'अनिल',

88 वीस्ट पार्क रोड,

धानसोली, नागपुर-12

'सदस्य'

आदेश

आवेश दिया जाता है कि इस प्रस्ताव की प्रति सभी राज्य सरकारों और संघ शासित क्षेत्र के प्रशासनों, राष्ट्रपति राक्षिबाज्य, प्रधान मंत्री सचिवालय, मंत्रिमण्डल सचिवालय, संसद कार्य विभाग, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, योजना आयोग, भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक, महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व, और भारत सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों को भेजी जाए।

यह भी आवेश दिया जाता है कि इस प्रस्ताव को आम जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

एम० रामचन्द्रन, अपर सचिव

पेट्रोलियम मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 अगस्त 1978

आदेश

विषय :—आर०-2 संरचना (अपतटीय) क्षेत्र के 257.4 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र के लिए पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस की स्वीकृति।

सं० 12012/7/78—प्रोडक्शन/पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम 1959 के उपनियम 5 के नियम (1) की धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग तेल भवन, देहरादून (जिसको बाद में आयोग कहा जायेगा) आर०-2 संरचना (अपतटीय) के 257.4 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में पेट्रोलियम मिलने की संभावना हेतु एक पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस 25-10-1977 से एक वर्ष की अवधि के लिए स्वीकृति देती है। इसके विवरण इसके साथ संलग्न अनुसूची 'क' में दिये गये हैं।

लाइसेंस की स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों पर है :—

- (क) अन्वेषण लाइसेंस पेट्रोलियम के संबंध में होगा।
- (ख) यदि अन्वेषण कार्य के दौरान कोई खनिज पदार्थ पाए गए, पूर्ण व्योरे के साथ उसकी सूचना केन्द्रीय सरकार को देगा।
- (ग) स्वत्व शुल्क (रायल्टी) निम्नलिखित दरों पर ली जाएगी।
  - (i) समस्त अघोषित तेल तथा केसिंग हैड कंटेनेंट पर 42/- रु० प्रति मीटर टन या ऐसी दर पर जो समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्धारित की जायेगी।
  - (ii) प्राकृतिक गैस के संबंध में ये हर केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित दर के अनुसार होगी।
  - (iii) स्वत्व शुल्क (रायल्टी) को अदायगी, पेट्रोलियम मंत्रालय, नई दिल्ली के वेतन तथा लेखा अधिकारी को दी जायेगी।

(घ) आयोग लाइसेंस के अनुसरण में प्रत्येक माह के प्रथम 30 दिनों में गत माह से प्राप्त समस्त अघोषित तेल की मात्रा, केसिंग हैड कंटेनेंट और प्राकृतिक गैस की मात्रा तथा उसका

कुल उचित मूल्य दशति वाला एक पूर्व तथा उचित विवरण केन्द्रीय सरकार को भेजेगा। यह विवरण संलग्न अनुसूची 3 में दिये गये प्रपत्र में भरकर देना होगा।

(क) पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम 1959 की आवश्यकता के अनुसार नियम II द्वारा 6000 रु० की धन राशि प्रति-भूति के रूप में जमा करेगा।

(ख) आयोग प्रतिवर्ष लाइसेंस के संबंध में एक शुल्क का भुगतान करेगा जिसकी संगणना प्रत्येक वर्ग किलोमीटर या उसके किसी अंश जिसका लाइसेंस में उल्लेख किया गया हो, निम्नलिखित दरों पर की जाएगी।

1. लाइसेंस के प्रथम वर्ष के लिए 4 रु०।
2. लाइसेंस के द्वितीय वर्ष के लिए 20 रु०।
3. लाइसेंस के तृतीय वर्ष के लिए 100 रु०।
4. लाइसेंस के चतुर्थ वर्ष के लिए 200 रु०।
5. लाइसेंस के नवीकरण के प्रथम और द्वितीय वर्ष के लिए 300 रु०।

(घ) पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम 1959 के नियम II के उपनियम (3) की आवश्यकतानुसार आयोग को अन्वेषण लाइसेंस के किसी क्षेत्र के किसी भाग को छोड़ देने की स्वतन्त्रता सरकार को दो माह के नोटिस के बाद होगी।

(ज) आयोग केन्द्रीय सरकार की मांग पर उसका तत्काल तेल तथा प्राकृतिक गैस अन्वेषण के अन्तर्गत पाये गये समस्त खनिज पदार्थों के संबंध में भूवैज्ञानिक आंकड़ों के बारे में एक पूर्ण रिपोर्ट गुप्त रूप से देगा तथा हर छः महीने में निश्चित रूप से केन्द्रीय सरकार को समस्त परिचालनों, व्यय तथा अन्वेषण कार्यों के परिणामों के बारे में सूचना देगा।

(झ) आयोग समुद्र की तलहटी और/या उसके धरातल पर आग लगाने संबंधी निवारक उपार्यों की व्यवस्था करेगा तथा आग बुझाने हेतु हर समय के लिए ऐसे उपकरण, सामान तथा साधन बनाये रखेगा और तीसरी पार्टी और/या सरकार को उतना मुआवजा देगा जितना कि आग लगने से हुई हानि के बारे में निर्धारित किया जायेगा।

(ञ) इस अन्वेषण लाइसेंस पर तेल क्षेत्र (नियंत्रण और विकास) अधिनियम 1948 (1948 का 53) और पेट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस नियम 1959 के उपबन्ध लागू होंगे।

#### अनुसूची "क"

इस पेट्रोलियम लाइसेंस के अन्तर्गत आर०-2 संरचना (अपतटीय) क्षेत्र आता है और यह अक्षांश 16° 28' 54" दक्षिण से 16° 38' 56" उत्तर और देशान्तर 72° 41' 16" पश्चिम से 72° 49' 4" पूर्व के बीच स्थित है और मानचित्र में किनारे के प्वाइंटों अर्थात् ए०, बी०, सी० और डी० को मिलाते हुए चिह्नित किया गया है और इसका क्षेत्रफल 257.4 वर्ग कि० मी० है जहाँ पर यह क्षेत्र स्थित है, उनके प्वाइंट जिन अक्षांशों और देशान्तरों पर पड़ते हैं तथा उनके बीच की दूरी निम्नलिखित है।

बेयरिंग

	अक्षांश			देशान्तर		
	डि०	मि०	से०	डि०	मि०	से०
प्वाइंट ए स्थित है .	16	28	54	72	41	16
प्वाइंट बी स्थित है .	16	38	56	72	41	16
प्वाइंट सी स्थित है .	16	38	56	72	49	4
प्वाइंट डी स्थित है .	16	28	54	72	49	4

तट पर तीन मुख्य स्थानों से तूर प्वाइंटों की लगभग दूरी निम्न-लिखित है :

1. बम्बई . . . . .	272.5 कि० मी०
2. तारापुर . . . . .	370 कि० मी०
3. वियू . . . . .	500 कि० मी०

#### अनुसूची-ख

अशोधित तेल, केसिंग हैड कंटेनेन्ट तथा प्राकृतिक गैस के उत्पादन तथा उसके मूल्य सहित मासिक वितरण

संरचना के लिए पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस

क्षेत्रफल 257.4 वर्ग किलो मीटर

माह तथा वर्ष

क-अशोधित तेल

कुल प्राप्त किलो लिटरों की संख्या	अपरिहार्य रूप से खोये अथवा प्राकृतिक जलाशय को लीटाए किलो लिटरों की संख्या	केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किये गये लिटरों की संख्या	कालम 2 और 3 को घटाकर प्राप्त किलो लिटरों की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

#### ख-केसिंग हैड कंटेनेन्ट

प्राप्त किये गये कुल किलो लिटरों की संख्या	अपरिहार्य रूप से खोये अथवा प्राकृतिक जलाशय को लीटाए किलो लिटरों की संख्या	केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किये गये किलो लिटरों की संख्या	कालम 2 और 3 को घटाकर प्राप्त किलो लिटरों की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

## ग-प्राकृतिक गैस

कुल प्राप्त घन मीटरों की संख्या	अपरिहार्य रूप से खोये प्रयत्ना प्राकृतिक जलाशय को सौटाए गए घन मीटरों की संख्या	केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित मीटरों की पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किये गये घन मीटरों; की संख्या	कालम 2 और 3 को बटाकर प्राप्त घन संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

एतद्वारा मैं, श्री \_\_\_\_\_  
सत्य निष्ठापूर्वक घोषणा एवं पुष्टि करता हूँ कि इस विवरण में दी गयी  
सूचना पूर्णरूपेण सत्य और सही है उसे सही समझते हुए मैं शुद्ध अन्तः  
करण से सत्यनिष्ठ से यह घोषणा करता हूँ।

हस्ताक्षर \_\_\_\_\_

भारत के राष्ट्रपति के आदेश एवं नाम में

एस० एम० बार्दे० नवीम, अवर सचिव।

## शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 19 अगस्त 1978

संकल्प

विषय :—राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा बोर्ड

सं० एक० 4-2/77-ए० ई० I—भारत सरकार, शिक्षा और समाज कल्याण  
मंत्रालय (शिक्षा विभाग) के संकल्प सं० एक० 4-2/77 एन० एक०  
ई०-1, दिनांक 15 अगस्त, 1977 में आंशिक रूप से संशोधन करते हुए  
पैरा 3 में गैर सरकारी संस्थानों के अन्तर्गत कम संख्या 30 के बाव  
निम्नलिखित 2 नाम जोड़े जाते हैं :—

“31. डा० मातादीन भधोलिया,  
विधि संकाय,  
दिल्ली विश्वविद्यालय,  
दिल्ली-7।

32. श्री सी० एम० केदारिया,  
उपाध्यक्ष,  
भारतीय आदिम जाति सेवक संघ,  
ठक्कर बाप्पा स्मारक सदन,  
डा० अम्बेकर रोड, नई दिल्ली-55।”

तदनुसार, पैरा 3 को कम संख्या 31 को बदल कर 33 कर दिया  
गया है।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प की एक-एक प्रति सभी राज्य  
सरकारों, संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/  
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, योजना आयोग, प्रधान मंत्री कार्यालय,  
नई दिल्ली को भेज दी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र  
में सूचनार्थ प्रकाशित किया जाए।

अनिल बोविया, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi-110001, the 21st August 1978

No. VI.23011/5/77-GPA.III.—Consequent on the retire-  
ment/completion of their term of appointment, the following  
Honorary Police AsDC to the President will be deemed to  
have demitted as Honorary AsDC to the President with effect  
from 29th July, 1978 :—

1. Shri R. K. Gupta, formerly Inspector General of Police, West Bengal.
2. Shri N. S. Saksena, formerly Director General, Central Reserve Police Force.
3. Shri Lala B. K. Dey, Director of Civil Defence and Commandant General, Home Guards, Assam.

No. VI.23011/5/77-GPA.III.—The President is pleased to  
make the following appointments on his personal Staff with  
effect from 29th July, 1978 :—

## TO BE HONORARY POLICE—ADES-DE-CAMP :—

1. Shri S. Tandon, Director, Bureau of Police Research and Development, New Delhi.
2. Shri N. H. Sethna, Inspector General of Police, Gujarat.
3. Shri P. A. Rosha, Inspector General of Police, Haryana.

S. S. AHLUWALIA,  
Director

## DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS

New Delhi, the 22nd August 1978

## RESOLUTION

No. 36021/2/77-Est(SCT).—A High Power Committee under the Chairmanship of the Prime Minister was constituted by the Government of India to review the performance in the matter of recruitment of Scheduled Castes and Scheduled Tribes in the services/posts in or under the Government, Union Territories and public undertakings under the control of a Government vide Department of Personnel Resolution No. 27/9/70-Est(SCT) dated the 23rd November, 1970, read with Resolution No. 27/8/73-Est(SCT) dated 8th November, 1973 and Resolution No. 36021/4/75-Est(SCT) dated 4th September, 1975.

2. The Government of India have decided to reconstitute the Committee, which would consist of the following members :—

- (1) Prime Minister, Chairman.
- (2) Minister of Home Affairs.
- (3) Minister of Defence.
- (4) Minister of Finance.
- (5) Minister of Industry.
- (6) Minister of State in the Ministry of Shipping and Transport.
- (7) Minister of State in the Ministry of Home Affairs.
- (8) Secretary, Ministry of Home Affairs.

- (9) Secretary or Additional Secretary, Department of Personnel and Administrative Reforms. (depending on who is dealing with the subject).
- (10) Additional Secretary and Director General, Bureau of Public Enterprises, Min. of Finance.
- (11) Director of Employment Exchanges, Directorate General of Employment & Training.

#### ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all Ministries/Departments of the Government of India.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

K. C. SHARMA,  
Jt. Secy.

#### RULES

*New Delhi, the 16th September, 1978*

No. 12/3/78-CS.II.—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1979 for the purpose of filling temporary vacancies in the following services/posts are published for general information :

- (i) Indian Foreign Service (B)—(Grade II of the Stenographers' sub-cadre);
- (ii) Railway Board Secretariat Stenographers' Service—Grade C (for inclusion in the select List of the Grade);
- (iii) Central Secretariat Stenographers' Service—Grade C (for inclusion in the Select List of the Grade);
- (iv) Armed Forces Headquarters Stenographers' Service—Grade C; and
- (v) Posts of Stenographer in other departments/organisations and Attached Offices of the Government of India not participating in the I.F.S. (B)/Railway Board Secretariat Stenographers' Service/Central Secretariat Stenographers' Service/Armed Forces Headquarters Stenographers' Service.

1. A candidate may apply for admission to the examination in respect of any one or more of the services/posts mentioned above. He may specify in his application as many of these Services/posts as he may wish to be considered for.

NOTE 1.—Candidates are required to specify clearly the order of preferences for the Services/posts, for which they wish to be considered. No request for alteration in the order of preferences for the Services/posts originally indicated by a candidate in his application would be considered unless such a request is received in the office of the Union Public Service Commission on or before the last date prescribed by the Commission for receipt of applications in their office.

NOTE 2.—Some departments/offices of the Government of India making recruitment through this examination would require only English Stenographers; and appointments to posts of Stenographers in these departments/offices on the results of this examination will be made only from amongst those who are recommended by the Commission on the basis of the Written Test and Shorthand Tests in English (of para 4 of Appendix I to the Rules).

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in Constitution (Scheduled Castes Order, 1950; the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled castes). (Union Territories) order, 1951; the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951, as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the

Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976] the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956, the Constitution. (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962, the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964, the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968, and the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970.

3. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix 1 to the Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. (1) A candidate must be either :—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire, Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c) (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Provided further that candidates belonging to categories (b), (c) and (d) above will not be eligible for appointment to the Indian Foreign Service (B)—(Grade II of the Stenographers Sub-Cadre).

(2) A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5. No candidate who does not belong to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe or is not a migrant from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or is not a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethop shall be permitted to compete more than twice at the examination but this restriction shall be effective from the examination held in 1962.

NOTE 1.—For the purpose of this rule, the examination will mean the Stenographers' Examination, the Stenographers (Released EC/SSC/Officers and ex-servicemen) Examination and the Stenographers' (ex-servicemen) Examination.

NOTE 2.—For the purpose of this rule a candidate shall be deemed to have competed at the examination once for all the Services/posts covered by the examination, if he competes for any one or more of the Service/posts.

NOTE 3.—A candidate shall be deemed to have competed at the examination if he actually appears in any one or more subjects.

6. (A) A candidate for admission to this examination must have attained the age of 18 years and must not have attained the age of 25 years on 1st January, 1979 i.e., he must have been born not earlier than 2nd January, 1954, and not later than 1st January, 1961.

(B) The upper age limit will be relaxable up to the age of 35 years in respect of persons who have been regularly appointed as Stenographers (including language Stenographers)/Clerks/Stenotypists in the various Departments

Offices of the Government of India including those under the Union Territories Administrations or in the offices of the Election Commission and the Central Vigilance Commission or in the Lok Sabha/Rajya Sabha Secretariat and have rendered not less than 3 years continuous service as Stenographer (including language Stenographer)/Clerk/Stenotypist on 1st January, 1979 and continue to be so employed.

Provided that the above age relaxation will not be available to persons appointed as Stenographers on the basis of earlier examinations, held by the Union Public Service Commission in :—

- (i) Central Secretariat Stenographers' Service Grade C, or
- (ii) Railway Board Secretariat Stenographers' Service Grade C or
- (iii) Indian Foreign Service (B) Grade II of the Stenographers' Sub Cadre, or
- (iv) Armed Forces Headquarters Stenographers' Service Grade C.

NOTE 1.—Service rendered by R.M.S. Sorters employed in Subordinate Offices of P.&T. Deptt. shall be treated as service rendered in the grade of Clerk for purpose of Rule 6(B) above.

NOTE 2.—Service rendered by Service clerks employed in Defence installations, shall not be counted for the purpose of Rule 6(B) above.

(C) The upper age limit in all the above cases, will be further relaxable :—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe as is also a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March 1971;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964;
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964;
- (vi) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;
- (vii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (viii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (ix) up to a maximum of three years in the case of Defence Services Personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof;

(x) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services Personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof and who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.

(xi) up to a maximum of three years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof; and

(xii) up to a maximum of eight years in the case of Border Security Force Personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof and who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.

(xiii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July 1975.

(D) A candidate who exceeds the prescribed upper age limit on the crucial date viz., 1st January, 1979 and who was detained under the Maintenance of Internal Security Act or was arrested or imprisoned under the Defence and Internal Security of India Act, 1971 or Rules thereunder during the period of Internal Emergency between 25-6-75 and 21-3-77 on account of alleged political activities or association with erstwhile banned organisations and thus prevented from appearing at the examination while he was still within the age-limits prescribed for admission to this examination will be eligible to appear at the examination subject to the following conditions :—

- (i) He should not have already availed himself of the maximum number of chances admissible to him under rule 5; and
- (ii) He should not have sat for (i.e. he should have foregone) the examination at least once during the period between June, 1975 and March, 1977 for which he was eligible in all respects.

NOTE :—Under this concession, which will not be admissible for admission to any examination held after 31-12-1979, not more than one chance will be allowed.

SAVE AS PROVIDED ABOVE, THE AGE LIMITS PRESCRIBED ABOVE SHALL IN NO CASE BE RELAXED.

N.B.—(i) The candidature of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 6(B) above shall be cancelled, if after submitting his application he resigns from service or his services are terminated by his department either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible if he is retrenched from the service or post after submitting his application.

(ii) A stenographer (including language Stenographer)/Clerk/Stenotypist who is on deputation to an ex-cadre post with the approval of the competent authority, or who is transferred to another post but retains lien on the post from which he is transferred, will be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible.

7. Candidates must have passed the Matriculation examination of any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or an examination held by a State Education Board at the end of the Secondary School Course for the award of a School Leaving, Secondary School, High School or any other Certificate which is accepted by the Government of that State as equivalent to Matriculation certificate for entry into services.

NOTE 1.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for the Commission's examination but has not been informed of the result as also the candidate who intends to appear at such a qualifying examination will NOT be eligible for admission to the Commission's examination.

NOTE 2.—In exceptional cases, the Commission may treat a candidate who has not any of the qualifications prescribed in this rule, as educationally qualified provided that he possesses qualifications, the standard of which, in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

8. All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily rated employees, will be required to submit a 'No Objection Certificate' from the Head of their Office/Department in accordance with the instructions contained in para 2 of Annexure to the Commission's Notice.

9. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. Candidate must pay the fee prescribed in para 7 of the Commission's Notice.

12. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses;

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
  - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
  - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

13. After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for inclusion in the Select Lists of Grade C of the Central Secretariat Stenographers Service and Railway Board Secretariat Stenographers' Service upto the required number and for appointment upto the number of unreserved vacancies in other services/posts decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for inclusion in the Select List of Grade C of the Central Secretariat Stenographers' Service/Railway Board Secretariat Stenographers' Service and for appointment to vacancies in other Services/posts irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

14. Subject to other provisions contained in these Rules, due consideration will be given, at the time of making appointments on the results of the examination, to the preferences expressed by a candidate for various Services/posts at the time of his application (cm col. 14 of the application form).

15. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

16. Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his character and antecedents is suitable in all respects for the appointments to the Service/post.

17. No person,

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person;

shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

18. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient discharge of his duties as an officer of the service. A candidate who after such medical examination as may be prescribed by the competent authority is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Only such candidates as are likely to be considered for appointment will be medically examined.

NOTE.—In the case of disabled ex-Defence Services personnel, a certificate of fitness granted by the Demobilisation Medical Board of the Defence Services will be considered adequate for the purpose of appointment.

19. Brief particulars relating to the Services/posts to which recruitment is being made through this examination, are given in Appendix II.

K. B. NAIR, Under Secy.

#### APPENDIX I

1. The subjects of the examination, the time allowed and the maximum marks for each subject will be as follows :—

##### PART A—WRITTEN TEST

Subject	Time allowed	Maximum Marks
(i) General English	2 hours	100
(ii) Essay	2 hours	100
(iii) General Knowledge	2 hours	100

##### PART B—SHORTHAND TESTS IN HINDI OR IN ENGLISH (FOR THOSE WHO QUALIFY AT THE WRITTEN TEST).

300  
Marks



NOTE.—Candidates will be required to transcribe their shorthand notes on typewriters, and for this purpose they will be required to bring their own typewriters with them.

2. The papers in General English and General Knowledge will consist of Objective Type questions. For details including sample questions please see Candidates' Information Manual at Appendix III.

3. The syllabus for the Written Test and the scheme of the Shorthand Tests will be as shown in the Schedule to this Appendix.

4. Candidates are allowed the option to answer paper (ii) 'Essay' and paper (iii) 'General Knowledge' either in Hindi (Devanagari) or in English. The option will apply to complete papers and not to a part thereof and it should be the same for both the papers mentioned above.

Candidates exercising the option to answer the Essay paper in Hindi (Devanagari) may, if they so desire, give English version within brackets of the description of the technical terms, if any, in addition to the Hindi version.

Candidates who opt to answer the aforesaid papers in Hindi (Devanagari) will be required to take the Shorthand Tests also in Hindi (Devanagari) only and candidates who opt to answer the aforesaid papers in English will be required to take the Shorthand Tests also in English only.

Question papers in Essay and General Knowledge will be set both in Hindi and in English.

NOTE 1.—Candidates desirous of exercising the option to answer paper (ii) Essay and paper (iii) General Knowledge, of the Written Test and take Shorthand Tests in Hindi (Devanagari), should indicate their intention to do so in col. 9 of the application form. Otherwise, it will be assumed that they will take the Written Test and Shorthand tests in English.

The option once exercised shall be treated as final; and no request for alteration in the said column shall be entertained.

NOTE 2.—Candidates who opt to take the shorthand tests in Hindi will be required to learn English stenography, and vice versa, after their appointment.

NOTE 3.—A candidate wishing to take the examination at an Indian Mission abroad and exercising the option to answer paper (ii) Essay and paper (iii) General Knowledge and take the Stenography Test in Hindi in terms of para above, may be required to appear at his own expense, for the Stenography Tests at any Indian Mission abroad where necessary arrangements for holding such tests are available.

5. Paper (i) General English of the Written Test will be set in English only and it must be answered in English by all candidates.

6. Candidates who satisfy the minimum qualifying standard in the dictation at 120 words per minute will rank above the candidates who obtain the same standard in the dictation at 100 words per minute, persons in each group being arranged inter se in order of their merit as disclosed by the aggregate marks awarded to each candidate (cf. Part B of the Schedule below).

7. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write down answers for them.

8. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all subjects of the examination.

9. Only those candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written test as may be fixed by the Commission in their discretion will be called for shorthand test.

10. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

11. Deduction upto 5 per cent of the maximum marks for the written subjects will be made for illegible handwriting.

12. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words in the paper on Essay for the examination.

## SCHEDULE

### PART A

#### *Standard and syllabus of the written test*

NOTE.—The standard of the question papers in Part A will be approximately that of the Matriculation examination of an Indian University.

*General English.*—The paper will be designed to test the candidates' knowledge of English Grammar and Composition and generally their power to understand and ability to write correct English. The paper may include questions on correct use of words; easy idioms and prepositions; direct and indirect speech etc.

*Essay.*—Candidates will be required to write essay on two topics. A choice of subjects will be given. They will be expected to keep closely to the subject of the essay to arrange their ideas in orderly fashion, and to write concisely. Credit will be given for effective and exact expression.

*General Knowledge.*—Some knowledge of the Constitution of India, Five Year Plans, Indian History and Culture, general and economic geography of India, current events everyday science and such matters of everyday observation as may be expected of an educated person. Candidates' answer are expected to show their intelligent understanding of the questions and not detailed knowledge of any test book.

### PART B

#### *Scheme of Shorthand Tests*

The Shorthand Tests in English will comprise two dictation tests, one at 120 words per minute for seven minutes and another at 100 words per minute for ten minutes, which the candidates will be required to transcribe in 45 and 50 minutes respectively.

The shorthand tests in Hindi will comprise two dictation tests one at 120 words per minute for seven minutes and another at 100 words per minute for 10 minutes which the candidates will be required to transcribe in 60 and 65 minutes respectively.

## APPENDIX II

*Brief particulars relating to the Services/posts to which recruitment is being made through this examination.*

### A. The Central Secretariat Stenographers Service

The Central Secretariat Stenographers Service has at present four grades as follows:—

Grade A : Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

Grade B : Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—1040.

Grade C : Rs. 425—15—500—EB—15—560—20—700—EB—25—800.

Grade D : Rs. 330—10—380—EB—12—500—EB—15—560.

Persons promoted from Grade B to Grade A are allowed a minimum pay of Rs. 775 in the scale. Persons promoted from Grade C are allowed a minimum salary of Rs. 710 in the scale.

(2) Persons recruited to Grade C of the Service will be on probation for a period of two years. During this period they may be required to undergo such training and to pass such examinations as may be prescribed by Government.

(3) On the conclusion of the period of probation Government may confirm the person concerned in his appointment or if his work or conduct in the opinion of Government has been unsatisfactory he may either be discharged from the Service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

(4) Persons recruited to Grade C of the Service will be posted to one of the Ministries or Offices participating in the Central Secretariat Stenographers' Service Scheme. They may however at any time be transferred to any other such Ministry or office.

(5) Persons recruited to Grade C of the Service will be eligible for promotion to the next higher grade in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(6) Persons appointed to Grade C of the Service in pursuance of their option for that service will not, after such appointment have any claim for transfer or appointment to any post included in the Cadre of the Indian Foreign Service (B) or the Railway Board Secretariat Service Scheme.

#### *B. The Railway Board Secretariat Stenographers Service*

(a) (i) The Railway Board Secretariat Stenographers' Service has at present four grades as follows :—

Grade A : Rs. 650 (775)—35—880—40—1000—EB—40—1200.

Grade B : Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—1040.

Grade C : Rs. 425—15—500—EB—15—560—20—700—EB—25—800.

Grade D : Rs. 330—10—380—EB—12—500—EB—15—560.

Persons promoted from Grade B to Grade A are allowed a minimum of pay of Rs. 775/- in the scale.

Persons promoted from Grade C to Grade B are allowed a minimum salary of Rs. 710/- in the scale.

(ii) Persons recruited to Grade C of the Service will be on probation for a period of two years. During this period they may be required to undergo such training and to pass such examination as may be prescribed by Government. On the conclusion of the period of probation if it is found that the work or conduct in the opinion of the Government of any of them has been unsatisfactory he may either be discharged from the Service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

(iii) Persons recruited to Grade C of the Service will be eligible for promotion to the next higher grade in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(b) The Railway Board Secretariat Stenographers' Service is confined to the Ministry of Railways and staff are not liable to transfer to other Ministries as in the case of the Central Secretariat Stenographers' Service.

(c) Officers of the Railway Board's Stenographer's Service recruited under these rules :

(i) will be eligible for pensionary benefits; and

(ii) shall subscribe to the non-contributory State Railway Provident Fund under the rules of that fund as are application to Railway Servants appointed on the date they join service.

(d) The candidate appointed to the Railway Board Secretariat Stenographers Service will be entitled to the privilege of Passes and Privilege Ticket Orders in accordance with the orders issued by the Railway Board from time to time.

(e) As regards leave and other conditions of service, staff included in the Railway Board Secretariat Stenographers' Service are treated in the same way as other Railway Staff but in the matter of medical facilities they will be governed by rules applicable to other Central Government employees with Headquarters at New Delhi.

#### *C. Indian Foreign Service (B)—Stenographers Sub-cadre*

The Stenographers Sub-cadre of the I.F.S. (B) has at present four grades as follows :—

Selection Grade : Rs. 775—35—880—40—1000—EB—40—1200.

Grade I : Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—1040.

Grade II : Rs. 425—15—500—EB—15—560—20—700—EB—25—800.

Grade III : Rs. 330—10—380—EB—12—500—EB—15—560.

(Persons promoted from Grade II are allowed a minimum salary of Rs. 710 in the scale).

2. Persons recruited to Grade II of the Service will be on probation for a period of two years. During this period they may be required to undergo such training and to pass such examinations as may be prescribed by the Government. On the conclusion of the period of probation if it is found that the work or the conduct of any of them, in the opinion of the Government has been unsatisfactory, he may either be discharged from service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

3. The officers appointed to Grade II of the S.S.C. of the I.F.S. (Branch 'B') will be governed by the I.F.S. Branch 'B' (RCSP) Rules 1964, I.F.S. (PLCA) Rules, 1961 as made applicable to I.F.S. 'B' officers and such other rules and orders as may be made applicable to them by the Government of India.

4. The Indian Foreign Service Branch (B) is confined to the Ministry of External Affairs and Indian Missions abroad. The officers appointed to this service are normally not liable to transfer to other Ministries except the Ministry of Commerce. They are, however, liable to be posted abroad against the posts to be borne on the strength of other Ministries and also liable to be posted to International Commissions etc. They are liable to serve anywhere in India or outside India, including no family stations.

5. During Service abroad IFS(B) officers are granted foreign allowance in addition to the basic pay at rates which may be sanctioned from time to time, depending upon the cost of living etc. of the countries concerned. In addition, the following concessions are also admissible during service abroad in accordance with the IFS (PLCA) Rules, 1961 as made applicable to IFS (B) Officers :—

(i) Free furnished accommodation according to the scale prescribed by the Government.

(ii) Medical Attendance Facilities under the assisted Medical Attendance Scheme.

(iii) Annual return air passage for children upto a maximum of two children between the ages of 8 and 21 studying in India or one child studying in India and one child in a country other than the country of the officer's posting abroad subject to certain conditions. If a Government servant has more than two children between ages of 8 and 21 studying in India, he shall have the option to send his wife to India during the vacation in lieu of two children visiting their parents abroad. In such a case the wife of the Government servant shall be entitled to return air passage by the cheapest class available.

(iv) An allowance for the education of children upto a maximum of two children between the age of 5 and 18 at rates prescribed by Government from time to time.

(v) Outfit allowance in connection with service abroad in accordance with the prescribed rules and at rates fixed by Government from time to time. In addition to ordinary outfit allowance, special outfit allowance as admissible to officers posted in countries, where abnormally cold climatic conditions exist.

(vi) Home leave passage for officers and their families in accordance with the prescribed rules.

6. Central Civil Services (Leave) Rules, 1972, as amended from time to time will apply to members of the service, subject to certain modifications. For service abroad, except in some neighbouring countries, officers are entitled to an additional credit of leave to the extent of 50 per cent of leave admissible under the Central Civil Service (Leave) Rules, 1972.

7. While in India, Officers are entitled to such concessions as are admissible to other Central Government Servants of equal and similar status.

8. Officers of the IFS(B) are governed by the General Provident Fund (Central Services) Rules 1960 as amended from time to time and by orders issued thereunder.

9. Officers appointed to this service are governed by the Central Civil Service (Pension) Rules, 1972, as amended from time to time and by orders issued thereunder.

#### D. Armed Forces Headquarters Stenographers Service

The AFHQ Stenographers' Service has at present, four grades as follows :

1. Grade A Stenographers (Private Secretary) Group B—Gazetted (Selection Grade).

Scale of pay—Rs. 650 (\*775—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

\*Guaranteed minimum for those promoted from Grade B.

2. Grade B Stenographers (Senior Personal Assistants) Group B—Gazetted.

Scale of pay—Rs. 650 (@710)—30—740—35—880—EB—40—1040.

@Guaranteed minimum for those promoted from Grade-C.

3. Grade C Stenographers (Personal Assistants) Group B—Non-Gazetted.

Scale of pay—Rs. 425—15—500—EB—15—560—20—700—EB—25—800.

4. Grade D Stenographers—Group C.

Scale of pay—Rs. 330—10—380—EB—12—500—EB—15—560.

2. Persons recruited direct as temporary stenographers' Grade C (Personal Assistants) will be on probation for a period of 2 years. Unsatisfactory record of service during this period may result in discharge of the probationer from service. During probation, a member of the Service may be required to undergo such training and to pass such tests as the Government may from time to time, prescribe.

3. Stenographers' Grade C recruited to AFHQ Stenographers' Service will be generally posted to any office of the AFHQ and Inter Service Organisations located in Delhi/New Delhi. They will also be liable to be posted to such other stations outside Delhi/New Delhi, where office of AFHQ/IS Organisations may be located.

4. Stenographers' Grade C will be eligible for promotion to the post of Stenographers' Grade B (Senior Personal Assistants) and Stenographers' Grade B. (S.P.As) will be eligible for promotion to Stenographer Grade A (Private Secretary) in accordance with the rules in force from time to time.

5. Leave, Medical Aid and other conditions of service are the same as applicable to other ministerial staff employed in Armed Forces Headquarters and Inter Service Organisations.

#### APPENDIX III

#### CANDIDATES' INFORMATION MANUAL

[For General English and General Knowledge only]

#### OBJECTIVE TEST

The question papers on General English and General Knowledge will be of objective type—multiple choice answers. In this kind of test you do not write detailed answers. For each question (hereinafter referred to as item) several possible answers are given. You have to choose one answer (hereinafter referred to as response) to each item.

This manual is intended to give you some information about the test so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of test.

#### NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of test booklet. The booklet will contain items bearing number 1, 2, 3...etc. Under each item will be given suggested responses marked a, b, c, etc. Your task will be to choose the correct or

if you think there are more than one correct, the best response. See sample question at the end. In any case in each item you have to select only one response; if you select more than one, your answer will be considered wrong.

#### METHOD OF ANSWERING

A separate answer sheet will be provided to you in the Examination Hall. You have to mark your answer on the answer sheet. Answers marked on the test booklet or in any paper other than the answer sheet will not be examined.

In the answer sheet, numbers of the items from 1 to 200 have been printed in four sections. Against each item responses a, b, c, d, e, are printed. After you have read each item in the test booklet and decided which of the given responses is correct or the best, you have to mark the rectangle containing the letter of the response by blackening it completely with the pencil as shown in the enclosed specimen answer sheet. Ink should not be used for blackening the rectangle containing the correct response. Your answer sheet will be scored by an optical scoring machine. It is, therefore, important that :—

1. You use *only* H.B. pencil as the machine may not read marks with other pencils or pens correctly. For this purpose you should bring along with you an H.B. pencil for use in the Examination Hall.
2. If you have made a wrong mark erase it completely and remark the correct response; for this purpose, you should bring along with you an eraser.
3. Do not handle your answer sheet in such a manner as to mutilate it.

#### SOME IMPORTANT RULES

1. You are required to enter the examination hall 20 minutes before the prescribed time for starting of the examination and get seated immediately.
2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have passed after the commencement of the examination.
4. After finishing the examination, submit the test booklet and the answer sheet to the Supervisor. **YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE PENALIZED IF YOU DO SO.**
5. Write clearly in ink the name of the examination, your Roll No., centre, subject and date of the test and serial number of the test booklet at the appropriate space provided in the answer sheet. You are not allowed to write your name anywhere in the answer sheet. Red ink should **NOT** be used on the answer sheet.
6. You are required to read carefully all instructions given in the test booklet. Since the evaluation is done mechanically, you may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the answer sheet is ambiguous then you will get no credit for that item. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or a section of a test, you must follow him instructions immediately.
7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring an H.B. pencil, a pencil sharpener, an eraser and a pen containing blue or black ink. You are not allowed to bring any scrap or rough paper, scales or drawing instruments into the examination hall, as they are not needed. A separate sheet will be provided to you for rough work. You should write the name of examination/test, your Roll number and subject of the test and date on it before doing your rough work and return it to the Supervisor alongwith your answer sheet at the end of the test.

## SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed it is important for you to use your time as economically as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all questions. Do not waste time on questions which too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal scores. Answer all the items. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you.

The questions are designed to measure your knowledge, understanding and analytical ability, not just memory. It will help you if you review the relevant topics, to be sure that you UNDERSTAND the subject thoroughly.

## SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall the invigilator will give you the answer sheet. Fill up the required information on the answer sheet with your pen. After you have done this the invigilator will give you the test booklet. Each test booklet will be sealed in the margin so that no one opens it before the test starts. As soon as you have got your test booklet, ensure that it contains the booklet number and it is sealed; otherwise get it changed. After you have done this, you should write the serial number of your test booklet on the relevant column of the answer sheet. You are not allowed to break the seal of the test booklet until you are asked by the Supervisor to break it.

## CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Candidates who do not stop will be penalised.

After you have finished answering, remain in your seat and wait till the invigilator collects the test booklet and answer sheet from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the test booklet and the answer sheet out of the examination hall. Those who violate this direction are liable to be penalised.

1. GENERAL ENGLISH  
GRAMMER

(a) Detecting Errors :—

Directions :

In this section you must spot errors in sentences. Read each sentence to find out whether there is an error in any underlined part. Errors, if any, are only in the underlined parts. No sentence has more than one error. Letters a, b, c, d and e have been placed beneath the underlined parts for their identification. When you find an error in any one of the underlined parts (a, b, c or d) indicate your response on the separate answer sheet in the relevant column. You may feel that there is no error in the sentence. In that case, letter will signify a 'No error' response, Examples 1 & 2 have been solved for you.

1. He spoke blunly and angrily to we spectators.  
a b c d

No. error  
e

2. A stadium and a swimming pool are going to be  
a b c  
built on the new campus. No error  
d

Explanation—In question No. 1, the word "we" is drong. The letter under this part is "C". So "c" is the correct answer.

In question No. 2, the sentence is correct. Therefore, "e" is the correct response.

(b) Correcting error :

Directors

Look at the underlined part of each sentence. Below each sentence are given four possible substitutions for the underlined part. If one of them is better than the underlined part then indicate the letter of your response on the Answer Sheet. If none of the substitutions improve the sentence,

then mark the rectangle with letter "e" on your Answer Sheet. Examples 3 and 4 have been solved for you.

3. A candle flame glares at the slightest breath of air.  
(a) Sparkles  
(b) Flickers  
(c) Shines  
(d) Glistens  
(e) No change

(Answer—b)

4. The fruits which he took from the bazar has made him very sick.

- (a) Could made him  
(b) Caused him  
(c) Could have made him  
(d) Shall cause him  
(e) No change

(Answer—c)

## COMPREHENSION

## Directions

In this part you have short passages. After each passage, you will find some questions based on what is *stated* or *implied* in the passage. First read a passage, and then answer the questions following that passage. Then go on to the next passage. While answering the questions you can look back at the passage as often as you like. Example 5 and 6 are solved for you.

## Passage

At three in the morning the air-field becomes active. The lights are switched on along the runway. The motor-coach arrives with the outgoing passengers, some still dressed for the heat of Africa, some already sweating in their London suits. One or two men who had been lounging about in rather shabby shorts reappear in the hall wearing smart caps and tunics. Thereby the weedy little man who weighs the passenger's luggage reveals that he has had distinguished service in the Army. And thereby the willowy and supercilious young fellow who has been playing dice with Harry the barman turns out to be the Customs Officer.

(Adopted from "THE NEW STATESMAN")

- (5) Who is the weedy little man?

- (a) Soldier  
(b) Consumptive  
(c) African  
(d) Passenger

(Answer—a)

6. The Customs Officer is :

- (a) Harry the barman  
(b) Supercilious young fellow  
(c) Weedy little man  
(d) A man in shabby shorts.

(Answer—b)

## CLOZE TEST

## Passage

Electricity is such a part of (7) everyday lives and so much taken (8) granted nowadays that we rarely think (9) when we switch on the light (10) turn on the radio.

## Questions

Choose the most appropriate from among the following words which could fill the numbered gaps in the above passage.

- (7) (a) his  
(b) our  
(c) my  
(8) (a) for  
(b) at  
(c) by

- (9) (a) only  
(b) at  
(c) twice
- (10) (a) to  
(b) or  
(c) for

## ANSWER KEY

## QUESTION

## ANSWER

7. (b)  
8. (a)  
9. (c)  
10. (b)

## VOCABULARY

## (a) Similar words

Directions :—Each question consists of a word or phrase, followed by four words or phrases. Choose the correct word or phrase from the alternatives given, which is most nearly the same, in meaning, as the original word or phrase. For example.

## 11. boycott

- (a) to accuse of wrongdoing  
(b) withdraw from  
(c) refuse to deal with  
(d) keep silence

(Answer—c)

## 12. Integrity

- (a) good judgment  
(b) benevolence  
(c) honesty  
(d) fearlessness

(Answer—c)

## (b) Opposite words

Directions—In this section you are to choose the word or phrase which is most nearly opposite to the meaning of the first word or phrase.

## 13. Day

- (a) Year  
(b) month  
(c) hour  
(d) night

Explanation—The opposite of the day is *night*, so letter (d) is the correct response.

## 2. GENERAL KNOWLEDGE

1. The sub-centred theory of the Universe was developed by

- (a) Galileo  
(b) Ptolemy  
(c) Newton  
(d) Copernicus

(Answer—d)

2. Which one of the following is not an organ of UNO ?

- (a) Security Council  
(b) Trusteeship Council  
(c) International Monetary Fund  
(d) International Court of Justice.

(Answer—c)

3. Which one of the following causes is NOT responsible for the downfall of the Mauryan dynasty ?

- (a) the successors of Asoka were all weak  
(b) there was partition of the Empire after Asoka.  
(c) the northern frontier was not guarded effectively  
(d) there was economic bankruptcy during post-Asokan era.

(Answer—d)

4. In a parliamentary form of Government

- (a) the Legislature is responsible to the Judiciary  
(b) the Legislature is responsible to the Executive  
(c) the Executive is responsible to the Legislature  
(d) the Judiciary is responsible to the Legislature  
(e) the Executive is responsible to the Judiciary.

(Answer—c)

## MINISTRY OF FINANCE

## DEPARTMENT OF REVENUE

New Delhi, the 21st August 1978

## RESOLUTION

F. No. E.11011/3/77-O.L.—In Resolution No. E.11011/3/77-Coord. dated the 20th February 1978, reconstituting the Hindi Salahkar Samiti of the Ministry of Finance, published in Part I, Section I of the Gazette of India dated the 11th March 1978 at page 184, as amended by Resolution No. E.11011/3/77-O.L.D. dated 22nd June, 1978, under "1. Composition", the following entry shall be made, viz.

"10. Shri Atmaram Raoji Deshpande 'Anil'

88, West Park Road,

Dhantoli, Nagpur-12.

Member

## ORDER

Ordered that a copy of this Resolution be communicated to all State Governments and Union Territory Administrations, President's Secretariat, Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat, Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Planning Commission; Comptroller & Auditor General of India, Accountant General, Central Revenues and all Ministries and Departments of Government of India.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

M. RAMACHANDRAN,  
Addl. Secy.

## MINISTRY OF PETROLEUM

New Delhi, the 17th August 1978

## ORDER

Subject : Grant of Petroleum Exploration Licence for R-2 structure (off-shore) area measuring 257.4 sq. kms.

No. 12012/7/78-Prod.—In exercise of the powers conferred by clause (i) of sub-rule (1) of rule 5 of the Petroleum and Natural Gas Rules, 1959, the Central Government hereby grants to the Oil & Natural Gas Commission, Tel Bhavan, Dehradun (hereinafter referred to as Commission) a Petroleum Exploration Licence to prospect for Petroleum for one year from 25-1-1977 in R-2 structure (off-shore) area measuring 257.4 sq. kms. the particulars of which are given in Schedule 'A' annexed hereto.

The Grant of Licence is subject to the terms and conditions mentioned below :

- (a) The Exploration Licence should be in respect of Petroleum.  
(b) If any minerals are found during the exploration work, the Commission should bring that to the notice of the Central Government with full particulars thereof.

(c) Royalty at the rates mentioned below shall be charged :

(i) Rs. 42/- per metric tonne or such rates as may be fixed by the Central Government from time to time on all crude oil and casing head condensate.

(ii) In case of natural gas, at such rates as may be fixed by the Central Government from time to time.

The royalty shall be paid to the Pay & Accounts Officer, Department of Petroleum, New Delhi.

(d) The Commission shall, within the first 30 days of every month, furnish to the Central Government, a full proper return showing the quantity and gross value of all crude oil, casing head condensate and natural gas obtained during the preceding month in pursuance of the licence. The return shall be in the form given in Schedule 'B' annexed hereto.

(e) The Commission shall deposit a sum of Rs. 6000/- as security as required by rule 11 of the PNG Rules, 1959.

(f) The Commission shall pay every year a fee in respect of the licence calculated at the following rates for each square Kilometer or part thereof covered by the licence :

(i) Rs. 4/- for the first year of the licence;

(ii) Rs. 20/- for the second year of the licence;

(iii) Rs. 100/- for the third year of the licence;

(iv) Rs. 200/- for the fourth year of the licence; and

(v) Rs. 300/- for the first and second years of renewal.

(g) The Commission shall be at liberty to determine the relinquishing of any part of the area covered by the exploration licence by giving not less than two month's notice in writing to the Central Government as required by sub-rule (3) of rule 11 of the Petroleum and Natural Gas Rules, 1959.

(h) The Commission shall immediately on demand submit to the Central Government confidentially a full report of the geological data of all the minerals found during the exploration of oil and natural gas and shall submit without fail every six months the results of all operations, boring and exploration to the Central Government.

(i) The Commission shall take preventive measures against the hazard of fire under sea bed and/or on the surface and shall keep such equipment, supplies and means to extinguish the fire at all times and shall pay such compensation to third party and/or Government as may be determined in case of damage due to the fire.

(j) This exploration Licence shall be subject to the provisions of the Oil fields (Regulation and Development) Act, 1948 (53 of 1948) and the Petroleum and Natural Gas Rules, 1959.

#### SCHEDULE 'A'

The area covered by this Petroleum Exploration Licence falls in R-2 structure (off-shore) area and lies between latitudes 16° 28' 54" South to 16° 38' 56" North and Longitudes 72° 41' 16" West to 72° 49' 4" East and is delineated on the map by the line joining the corner points at A B C & D and measures 257.4 kms. area. The latitudes and longitudes on which the points covering the area fall and the distance in between them are as follows :—

	Bearing					
	Latitude			Longitude		
	Deg.	Min.	Sec.	Deg.	Min.	Sec.
Point A is at	16	28	54	72	41	16
Point B is at	16	38	56	72	41	16
Point C is at	16	38	56	72	49	4
Point D is at	16	28	54	72	49	4

Approximate distance of farthest points from three prominent places on land is as follows :—

1. Bombay	272.5 Kms.
2. Tarapur	370 Kms.
3. Diu	500 Kms.

#### SCHEDULE 'B'

Monthly return of crude oil, casing-head condensate and natural gas produced and value thereof

Petroleum Exploration Licence for R-2 Structure (off-shore)

Area Measuring 257.4 sq Kms.

Month and Year

#### A—CRUDE OIL

Total No. of Kilolitres obtained	No. of Kilolitres unavoidably lost or returned to natural reservoir	No. of Kilolitres used for purpose of petroleum exploration operation approved by the Central Government	No. of Kilolitres obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

## B—CASING HEAD CONDENSATE

Total number of Kilolitres obtained	No. of Kilolitres unavoidably lost or returned to natural reservoir	No. of Kilolitres used for purposes of petroleum exploration approved by Central Government.	No. of Kilolitres obtained less columns 2&3	Remarks
1	2	3	4	5

## C—NATURAL GAS

Total number of cubic metres obtained	Number of cubic metres unavoidably lost or returned to natural reservoir.	Number of Cubic metres used for purposes of petroleum exploration approved by the Central Government.	Number of cubic metres obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

I, Shri \_\_\_\_\_ do hereby solemnly and sincerely declare and affirm that the information in this return is true and correct in every particular and make this solemn declaration conscientiously believing the same to be true.

By order and in the name of the President of India.

(Signature)

S. M. Y. NADEEM,  
Under Secy.

## MINISTRY OF EDUCATION &amp; SOCIAL WELFARE

(DEPARTMENT OF EDUCATION)

New Delhi, the 19th August 1978

## RESOLUTION

Subject :—National Board of Adult Education

No. F.4-2/77-AE.I.—In partial modification of the Government of India, Ministry of Education and Social Welfare (Department of Education) Resolution No. F.4-2/77-NFE.I dated August 25, 1977, in para 3 after S. No. 30 under non-officials the following 2 names are added :

"31. Dr. Mata Din Madholia,  
Law Faculty,  
University of Delhi,  
Delhi-7.

32. Shri C. M. Kedaria,

Vice-President,  
Bhartiya Adimjati Sevak Sangh,  
Thakkar Bappa Smarak Sadan,  
Dr. Ambedkar Road,  
New Delhi-55."

Accordingly, serial number 31 of para 3 is renumbered as 33.

Ordered that a copy of the Resolution be sent to all State Governments, Union Territory Administrations, all Ministries/Departments of the Government of India, University Grants Commission, Planning Commission, Prime Ministers Office, New Delhi.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for information.

ANIL BORDIA,  
Jt. Secy.

